

भागीरथपुरा की न्यायिक जांच आयोग रिपोर्ट मंदसौर सीवरेज लाइन प्रोजेक्ट के लिए बड़ी चुनौती-विजय गुर्जर

कलेक्टर दिव्यांक सिंह से सीवरेज प्रोजेक्ट की निगरानी के लिए समिति गठित करने की मांग

मंदसौर/ भारतसिंह तोमर/ दैनिक मालवा हेराल्ड। भारतीय जनता पार्टी की केंद्र व राज्य सरकार की महत्वपूर्ण जनहिंदेशी योजना सीवरेज लाइन प्रोजेक्ट का कार्य तेजी से मंदसौर शहर में चल रहा। इंदौर में भागीरथपुरा में दूषित पानी से बीमारी और हुई मौते की जवाबदारी जिम्मेदारों की व्यवस्था की गलती का परिणाम है। यह बात मध्य प्रदेश हाई कोर्ट की वेबसाइट पर एक सदस्य न्यायिक जांच आयोग की रिपोर्ट में दी गई है। इंदौर में वर्ष 1995 में सीवरेज लाइन डालने का कार्य हुआ था, लेकिन निगरानी और रखरखाव के अभाव में कई स्थानों पर दोनों पाइप लाइन समानांतर होने से सीवरेज का गंदा पानी, पीने के पानी की पाइप लाइन में प्रवेश कर गया इसे गंभीर

खाकी की बेरुखी से सुलग उठा नयागांव: CM राइज स्कूल की छात्रा का दिनदहाड़े अपहरण

नीमच/ सतीश सैन/ दैनिक मालवा हेराल्ड। नीमच जिले के जावद में कानून-व्यवस्था को ठेंगा दिखाते हुए बदमाशों ने शनिवार दोपहर एक सनसनीखेज वारदात को अंजाम दिया। यहां शासकीय सांदिपनि सीएम राइज स्कूल की 11वीं कक्षा की एक नाबालिग छात्रा का दिनदहाड़े जावद बस स्टैंड के समीप से सदिग्ध परिस्थितियों में अपहरण कर लिया गया। इस दुस्साहसिक वारदात के बाद जहां पूरे अंचल में हड़कंप मच गया है, वहीं पुलिस की कथित संवेदनहीनता ने मामले में घी का काम किया है। शनिवार को सुनवाई न होने से क्षुब्ध पीड़ित परिवार और सैकड़ों ग्रामीणों का सख रविवार सुबह टूट गया, जिसके बाद नयागाव पुलिस चौकी के बाहर उग्र धरना प्रदर्शन शुरू हो गया। क्षेत्र में स्थिति तनावपूर्ण बनी हुई है।

जावद बस स्टैंड से गायब हुई नयागांव की बेटी - मूल रूप से नयागांव की रहने वाली यह नाबालिग छात्रा हर दिन की तरह शनिवार को भी जावद स्थित सीएम राइज स्कूल पढ़ने आई थी। दोपहर करीब 1 बजे स्कूल की छुट्टी के बाद वह वापस लौट रही थी, तभी जावद बस स्टैंड के पास से वह अचानक लापता हो गईं। परिजनों ने आरोप लगाया है कि एक विशेष युवक ने योजनाबद्ध तरीके से, अपने माता-पिता की शह पर नाबालिग का अपहरण किया है। दिनदहाड़े मुख्य मार्ग से हुई इस घटना ने महिला सुरक्षा के दावों की पोल खोल कर रख दी है।

शनिवार को टालमटोल करती रही जावद पुलिस- वारदात के बाद बदहवास और डरे हुए परिजन शनिवार दोपहर को ही न्याय की आस में जावद थाने पहुंचे थे। परिजनों का आरोप है कि पुलिस ने संवेदनशीलता दिखाने और तत्काल नाकाबंदी करने के बजाय मामले को गंभीरता से नहीं लिया। फरियाद सुनने में टालमटोल की गई और समय रहते ठोस कदम नहीं उठाए गए।

नीमच में जिला स्तरीय जन कल्याण शिविर सम्पन्न, प्रदर्शनी के माध्यम से नागरिकों को दी गई योजनाओं की जानकारी

नीमच/ सतीश सैन/ दैनिक मालवा हेराल्ड। सेवा संकल्प अभियान के अंतर्गत ‘सेवा सेतु अभियान’ के माध्यम से शासन की जनकल्याणकारी योजनाओं का लाभ पात्र हितग्राहियों तक पहुंचाने के उद्देश्य से रविवार को नगरपालिका कार्यालय परिसर, नीमच में जिला स्तरीय जन कल्याण शिविर आयोजित किया गया। शिविर में विभिन्न विभागों द्वारा प्रदर्शनी लगाई गई, जहां नागरिकों को योजनाओं की जानकारी देने के साथ आवेदन प्राप्त किए गए तथा पात्र हितग्राहियों को विभिन्न योजनाओं के हितलाभ वितरित किए गए।

कार्यक्रम के मुख्य अतिथि नीमच विधायक श्री दिलीप सिंह परिहार ने कहा कि प्रधानमंत्री श्री नरेंद्र मोदी एवं मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव के नेतृत्व में प्रदेश सरकार जनकल्याण के लिए समर्पित होकर कार्य कर रही है। शासन की योजनाओं का लाभ पात्र हितग्राहियों तक पहुंचाना सरकार की प्राथमिकता है। इसी उद्देश्य से जन कल्याण शिविर आयोजित किए जा रहे हैं। उन्होंने नागरिकों से अपील

तकनीकी जોखिम माना गया है। साथ ही इसे भागीरथपुरा की घटना का मुख्य कारण जांच में माना गया। इंदौर के भागीरथपुरा में सीवरेज लाइन प्रोजेक्ट में तकनीकी त्रुटि से इतनी बड़ी घटना हो गई है ।

इस घटना से प्रेरणा लेकर मंदसौर शहर में चल रहे सीवरेज लाइन प्रोजेक्ट पर सुव्यवस्थित कार्य, वरिष्ठ अधिकारियों की मानीटरिंग शहर में जनता की जान को सुरक्षित रखने हेतु , वरिष्ठ अधिकारियों की समिति का गठन सीवरेज लाइन प्रोजेक्ट हेतु करने की मांग जिला



की बहुत आवश्यकता है। सीवरेज में पाईप गुणवत्ता वाले ही डाले जाए ताकि भविष्य में सीवरेज का पानी लीकेज होकर पीने के पानी में प्रवेश नहीं कर पाए। जिससे मंदसौर की जनता हमेशा सुरक्षित रहे, चैंबरों का भी

कलेक्टर दिव्यांक सिंह से पूर्व पाषंद विजय गुर्जर ने करी है। आगे कलेक्टर दिव्यांग सिंह को जानकारी देते हुए विजय गुर्जर ने बताया कि वर्तमान में मंदसौर शहर में सीवरेज लाइन प्रोजेक्ट का कार्य चल रहा है। इस कार्य में पाइप लाइन डालने में लेवल का ध्यान दिए जाने

निर्माण ओर लेवल गुणवत्ता वाला हो, ताकि नागरिकों को भविष्य में परेशानियों का सामना नहीं करना पड़े, घरों से चेंबर में डालने वाली लाइन को समान रूप से सही लेवल से व्यवस्थित डाला जाए। आने वाले समय में रहवासियों को किसी तरह की परेशानियों का सामना नहीं करना पड़े, मास्टर प्लान ओर सीवरेज प्लान के अनुसार ही सीवरेज लाइन का कार्य किया जाए जिससे कि मंदसौर के आमजन के लिए यह कार्य आफत नहीं बने। अंत में विजय गुर्जर ने कलेक्टर दिव्यांक सिंह से मांग करी है कि वरिष्ठ अधिकारियों की एक समिति बनाकर सीवरेज लाइन प्रोजेक्ट की मॉनिटरिंग कराई जाए जिससे यह कार्य गुणवत्ता पूर्ण मंदसौर शहर में पूरा हो सके और मंदसौर शहर के

नागरिकों को भागीरथपुरा जैसी घटना से सुरक्षित रखा जा सके।

सीवरेज लाइन के लिए खोदी सड़क में कचरा वाहन और कार फंसी- मंदसौर के वार्ड नंबर 33 में सीवरेज लाइन डालने के लिए सड़क खोदने के बाद सड़क की हालत खराब हो गई है, जिससे रहवासी परेशान हैं। रहवासियों ने बताया कि खुदाई के बाद सड़क को ठीक नहीं किया गया, जिससे गड्ढे और कीचड़ हो गया है। इस कारण रविवार को नपा का कचरा वाहन खराब सड़क में फंस गया, जिसे काफी मशकत के बाद निकाला गया। इसके पूर्व गुप्ता कचौरी के सामने सीवरेज लाइन के लिए खोदी गई सड़क में एक कार फंस गई। लोगों ने नगर पालिका से जल्द सड़क दुरुस्त करने की मांग की है।

जिम्मेदारों की नहीं खुली आंखें : आज से सैंकड़ों सफाई कर्मचारी अनिश्चितकालीन हड़ताल पर जाएंगे, क्रमिक भूख हड़ताल जारी

मंदसौर/ भारतसिंह तोमर/ दैनिक मालवा हेराल्ड। नगर पालिका परिषद मंदसौर में कार्यरत सफाई कर्मचारियों की 15 सूत्रीय वाजिब मांगों का लंबे समय से निराकरण न होने के विरोध में सफाई कर्मियों का आक्रोश अब चरम पर पहुंच गया है। शासन-प्रशासन के उपेक्षापूर्ण रवैये और चरणबद्ध प्रदर्शनों की अनसुनी से छुब्ध होकर प्रदेशव्यापी आह्वान के तहत आज 5 अक्टूबर से मंदसौर नगरपालिका के लगभग सैकड़ों कर्मचारियों ने पूरी तरह से काम बंद कर अनिश्चितकालीन हड़ताल शुरू कर दी है। गांधी चौराहा पर चल रहे धरना स्थल पर कर्मचारियों द्वारा अपनी मांगों के समर्थन में क्रमिक भूख हड़ताल भी निरंतर जारी है, जिससे शहर की सफाई व्यवस्था पर गहरा प्रभाव पड़ने की संभावना बन गई है।

संगठन की हेमा कंडारे और विनोद खेरालिया ने जानकारी देते हुए बताया कि

आर-पार की लड़ाई: 50 लाख फ्री रजिस्ट्री पर महासंग्राम

सरकार बोली- करेंगे बर्खास्त, पटवारी बोले- 5 अक्टूबर से ठप करेंगे काम

नीमच/ सतीश सैन/ दैनिक मालवा हेराल्ड। मध्य प्रदेश में ग्रामीण संघतियों को मालिकाना हक देने की स्वामित्व योजना सरकार और पटवारियों के बीच टकराव के कारण पूरी तरह खटाई में पड़ती नजर आ रही है। सरकार जहां इस महत्वाकांक्षी योजना को हर हाल में पूरा कराने के लिए दंडात्मक कार्रवाई पर आमादा है, वहीं पटवारी संघ ने आज (5 अक्टूबर) से प्रदेशव्यापी कार्य बहिष्कार का ऐलान कर दिया है प्रदेश के ग्रामीण इलाकों में 50 लाख से अधिक परिवारों को उनकी आबादी भूमि की निःशुल्क रजिस्ट्री (स्वामित्व पत्र) सौंपने की योजना अब प्रशासनिक गतिरोध का शिकार हो गई है। मुख्यमंत्री और मुख्य सचिव के कड़े रुख के बाद राजस्व विभाग ने सभी जिला कलेक्टरों को फ्री हैंड देते हुए साफ कर दिया है कि काम में लापरवाही या मनाही करने वाले पटवारियों को सीधे निलंबित या बर्खास्त किया जाए। सरकार के इस रवैये के खिलाफ मध्य प्रदेश पटवारी संघ ने भी मोर्चा खोल दिया है और आज यानी 5 अक्टूबर से सभी डिजिटल प्लेटफॉर्म, सरकारी ब्लटसपेप रूप खेड़ने और पोर्टल लॉगआउट कर ऑनलाइन कामों

के पूर्ण बहिष्कार की चेतावनी दी है।

सरकार का रुख- कलेक्टरों को खुली छूट, खंगाला जा रहा पुराना रिकॉर्ड- मुख्य सचिव के निर्देश के बाद प्रशासनिक अमला सख्त हो गया है। सरकार का मानना है कि जनहित की इस बड़ी योजना को पटवारियों द्वारा जानबूझकर प्रभावित किया जा रहा है। दबाव बनाने के लिए राजस्व विभाग ने सभी जिलों से आंदोलनकारी पटवारियों के खिलाफ लंबित पुरानी शिकायतों, लोकायुक्त और ईओडब्ल्यू की जांचों का रिकॉर्ड भी तत्बल कर लिया है। अधिकारियों का साफ कहना है कि तय शेड्यूल के अनुसार शिविरों में रजिस्ट्रियों का लक्ष्य पूरा न करने वालों पर कड़ी अनुशासनात्मक कार्रवाई होगी।

पटवारियों की आपत्ति- हम कर्मचारी हैं, जमीन के मालिक या विक्रेता नहीं

पटवारी संघ का तर्क है कि वे इस योजना के विरोधी नहीं हैं, लेकिन रजिस्ट्री के कानूनी नियमों में उन्हें प्रथम पक्ष (विक्रेता/निष्पादक) बनाया जा रहा है। पटवारियों का कहना है कि- कानूनी जौखिम यदि भविष्य में किसी जमीन की सीमा या मालिकाना हक को लेकर कोर्ट केस होता है,

तो सरकारी कर्मचारी होने के नाते पटवारी को रिटायरमेंट के बाद भी अदालतों के चक्कर काटने पड़ेंगे।

70त रिकॉर्ड में त्रुटि- प्रारंभिक सर्वे और आबादी भूमि के रिकॉर्ड में बड़े पैमाने पर तकनीकी गलतियां हैं। बिना इन्हें सुधारे रजिस्ट्री करने से गांवों में आपसी विवाद और खूनी संघर्ष की स्थिति बन सकती है।

अधिकार क्षेत्र का उल्लंघन पटवारियों के अनुसार आबादी भूमि का प्रबंधन पंचायत विभाग का है, इसलिए यह जिम्मेदारी पटवारियों के बजाय पंचायत सचिवों को दी जानी चाहिए।

ठप पड़े हैं शिविर, आज से बड़ा आंदोलन फिलहाल सरकार और पटवारियों की इस लड़ाई का सीधा असर ग्रामीणों पर पड़ रहा है। प्रदेश के कई हिस्सों में सरकारी शिविर तो आयोजित हो रहे हैं, लेकिन पटवारियों के दस्तखत न होने के कारण रजिस्ट्रियों का आंकड़ा शून्य बना हुआ है। यदि आज से पटवारी संघ के आह्वान पर पूरी तरह से लॉगआउट आंदोलन शुरू होता है, तो प्रदेश का पूरा राजस्व अमला और किसानों से जुड़े अन्य काम भी ठप हो जाएंगे।

अठाना में सेवा सेतु ‘सरकार आपके द्वार’ शिविर संपन्न, हितग्राहियों को मौके पर मिला योजनाओं का लाभ

नीमच/ सतीश सैन/ दैनिक मालवा हेराल्ड। मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव के नेतृत्व में प्रदेशभर में चलाए जा रहे सेवा संकल्प अभियान के अंतर्गत शनिवार को नगर परिषद अठाना में सेवा सेतु ‘सरकार आपके द्वार’ शिविर का आयोजन किया गया। कलेक्टर नीमच के निर्देशानुसार आयोजित शिविर का उद्देश्य शासन की जनकल्याणकारी योजनाओं का लाभ पात्र हितग्राहियों तक पहुंचाना तथा आमजन की समस्याओं का मौके पर निराकरण करना रहा।

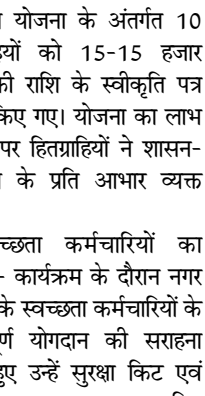
शिविर में नगर परिषद क्षेत्र के नागरिकों को विभिन्न शासकीय योजनाओं की जानकारी दी गई। अधिकारियों एवं कर्मचारियों ने हितग्राहियों के आवेदन प्राप्त कर पात्रतानुसार योजनाओं का लाभ प्रदान किया।प्रधानमंत्री आवास योजना में 10 हितग्राहियों को स्वीकृति पत्र शिविर के दौरान प्रधानमंत्री आवास योजना

सुशासन का ‘चंद्रा’ मॉडल: कड़क मिजाज, बेदाग नीयत; नीमच में माफिया राज का अंत करने वाले महानायक बने कलेक्टर

नीमच/ सतीश सैन/ दैनिक मालवा हेराल्ड। जब नीयत साफ और इरादे फ़ौदाली हों, तो बड़े से बड़े रसूखदारों का साम्राज्य भी तारा के पत्तों की तरह ढह जाता है। नीमच जिले में इसकी जीती-जागती मिसाल पेश की है युवा आईएएस अधिकारी और वर्तमान कलेक्टर श्री हिमांशु चंद्रा (ट्टए) ने। जिले की कमान संभालते ही



अंतर्गत 10 हितग्राहियों को स्वीकृति पत्र वितरित किए गए। इनमें 6 हितग्राहियों को आवास निर्माण की अंतिम किस्त तथा 4 हितग्राहियों को द्वितीय किस्त की राशि के स्वीकृति पत्र प्रदान किए गए।वहीं पीएम



स्वनिधि योजना के अंतर्गत 10 हितग्राहियों को 15-15 हजार रुपये की राशि के स्वीकृति पत्र प्रदान किए गए। योजना का लाभ मिलने पर हितग्राहियों ने शासन-प्रशासन के प्रति आभार व्यक्त किया।

स्वच्छता कर्मचारियों का सम्मान- कार्यक्रम के दौरान नगर परिषद के स्वच्छता कर्मचारियों के महत्वपूर्ण योगदान की सराहना करते हुए उन्हें सुरक्षा किट एवं प्रशंसा पत्र प्रदान कर सम्मानित किया गया। अधिकारियों ने स्वच्छता कर्मचारियों को सुरक्षा उपकरणों का उपयोग करते हुए नगर की स्वच्छता व्यवस्था को बेहतर बनार रखने के लिए प्रोत्साहित किया। एक ही स्थान पर मिली योजनाओं की

जानकारी- शिविर में नगर परिषद सहित विभिन्न विभागों से संबंधित योजनाओं एवं सेवाओं की जानकारी आमजन को उपलब्ध कराई गई। पात्र हितग्राहियों को शासन की योजनाओं का लाभ लेने की प्रक्रिया से अवगत कराया गया तथा प्राप्त आवेदनों पर नियमानुसार कार्रवाई की गई। शिविर के माध्यम से नागरिकों को अलग-अलग कार्यालयों के चक्कर लगाने के बजाए एक ही स्थान पर विभिन्न सेवाओं की जानकारी एवं सुविधा उपलब्ध कराई गई।इस कर्मचारी, जनप्रतिनिधि, हितग्राही एवं बड़ी संख्या में नगरवासी उपस्थित रहे। अधिकारियों ने कहा कि ‘सरकार आपके द्वार’ अभियान का उद्देश्य शासन की योजनाओं को अंतिम पंक्ति के व्यक्ति तक पहुंचाना और आमजन की समस्याओं का स्थानीय स्तर पर समाधान करना है।

सुवासरा में पोरवाल महिला मंडल चुनाव संपन्न: निलिमा फरवया 109 वोटों से जीतीं



मंदसौर/ भारतसिंह तोमर/ दैनिक मालवा हेराल्ड। सुवासरा नगर के स्थानीय पोरवाल परिणय रिसोर्ट में रविवार को पोरवाल समाज निर्वाचन मंडल के तत्वावधान में पोरवाल महिला मंडल निर्वाचनङ्क2026 के अध्यक्ष पद हेतु मतदान और मतगणना प्रक्रिया शांतिपूर्ण ढंग से संपन्न हुई। चुनाव में कुल 456

मतदाताओं में से 267 महिलाओं ने अपने मतधिकार का उपयोग किया, जिससे कुल मतदान प्रतिशत 58.55त दर्ज किया गया। मतदान की प्रक्रिया पूर्ण होने के पश्चात निर्वाचन नियमों के अनुसार पारदर्शी वातावरण में मतगणना की कार्यवाही शुरू की गई।

मतगणना की रिपोर्ट के अनुसार अध्यक्ष पद की प्रत्याशी श्रीमती निलिमा विशाल फरवया ने शानदार जीत हासिल की। निलिमा फरवया को कुल 183 मत प्राप्त हुए, जबकि उनकी प्रतिद्वंद्वी श्रीमती अंगुरबाला पंकज डपकर को 74 मतों से ही संतोष करना पड़ा। इस प्रकार निलिमा फरवया ने 109 मतों के बड़े अंतर से अध्यक्ष पद पर विजय प्राप्त की। चुनाव में 3 मतदाताओं ने नोटा का विकल्प चुना, वहीं 7 मत निरस्त पाए गए। कुल पड़े 267 मतों में से वैध मतों की संख्या 257 रही। निर्वाचन मंडल सुवासरा द्वारा संपूर्ण प्रक्रिया को निष्पक्ष, पारदर्शी और सौहार्दपूर्ण माहौल में संपन्न कराने की पुष्टि करते हुए आधिकारिक परिणाम घोषित किए गए।

गंधर्व समाज संगठन की बैठक संपन्न, अध्यक्ष घनश्याम गंधर्व और सचिव देवीलाल गंधर्व मनोनीत



मंदसौर/ भारतसिंह तोमर/ दैनिक मालवा हेराल्ड। गंधर्व समाज संगठन का आज दिनांक 4 अक्टूबर 2026 को संजीत नाका मंदसौर पर एक बैठक का आयोजन किया गया। जिसमें समाज के संगठन का पुर्नगठन एवं समाज के मध्य प्रदेश पुलिस बैंड भर्ती 2026 में चर्चनित किए गए सभी युवाओं का सम्मान समारोह आयोजन किया गया और जिसमें संगठन की तरफ से नवीन कार्यकारिणी घोषित की गई, जिसमें अध्यक्ष घनश्याम गंधर्व चपलाना, उपाध्यक्ष रामचंद्र मिर्ची सेठ गैतमुर्गु, उपाध्यक्ष प्रकाश गंधर्व बित्तिसरी, सचिव देवीलाल गंधर्व धतुरिया, सह सचिव राम प्रशाद गंधर्व मना जी का पिपलिया, कोषाध्यक्ष राजमल गंधर्व मंदसौर, संगठन मंत्री मुन्नालाल गंधर्व मनासा, संगठन मंत्री कमल गंधर्व बदनावर, संगठन मंत्री शरद गंधर्व रतलाम, मीडिया प्रभारी भगवती लाल गंधर्व दलावद, मीडिया प्रभारी सावन गंधर्व खेरखेड़ा को नवीन पद ग्रहण कर शपथ दिलवाई गई और जिसमें समाज के लिए शिक्षा, स्वास्थ्य, समाज के विकास आदि विषय पर समाज हित के निर्णय लिए गए।

आदर्शों को ठेंगा- गांधी जयंती पर जीते जी तो दूर, मरने के बाद भी नहीं मिला सम्मान, पूर्व मंत्री सखलेचा के क्षेत्र में पानी से गुजरी शव यात्रा



वैकल्पिक या वैज्ञानिक व्यवस्था न होने के कारण हक्की बारिश में भी यह रास्ता किसी गहरी नदी में तब्दील हो जाता है। बुधवार को एक ग्रामीण की मृत्यु के बाद परिजनों के सामने सबसे बड़ा संकट अंतिम विदाई का खड़ा हो गया। अंततः ग्रामीणों को अपनी जान जोखिम में डालकर, गहरे पानी के बीच से अर्थी को श्मशान तक पहुंचाना पड़ा।

दशकों का दास्तां, फाड़लों में दफन जनता की चीखें-स्थानीय ग्रामीणों का आरोप है कि यह कोई अचानक आई आपदा नहीं है, बल्कि प्रशासनिक घोर लापरवाही का नतीजा है।

इस गंभीर समस्या को लेकर क्षेत्रवासी स्थानीय पंचायत से लेकर जिला प्रशासन और जन प्रतिनिधियों के चौखट तक दर्जनों बार गुहार लगा चुके हैं। हर बार सिर्फ कोरे आश्वासन मिले, लेकिन जमीन पर कोई पुलिया या वैकल्पिक मार्ग नहीं बनाया गया। वीआईपी विधानसभा क्षेत्र होने के बावजूद बुनियादी हक के लिए तरसते ग्रामीणों ने चेतावनी दी है कि यदि जल्द ही श्मशान घाट के रास्ते को ज़रफ्तवरी से मुक्त नहीं कराया गया, तो वे उग्र आंदोलन को विवश होंगे।

आदर्शों को ठेंगा- गांधी जयंती पर जीते जी तो दूर, मरने के बाद भी नहीं मिला सम्मान, पूर्व मंत्री सखलेचा के क्षेत्र में पानी से गुजरी शव यात्रा

वैकल्पिक या वैज्ञानिक व्यवस्था न होने के कारण हक्की बारिश में भी यह रास्ता किसी गहरी नदी में तब्दील हो जाता है। बुधवार को एक ग्रामीण की मृत्यु के बाद परिजनों के सामने सबसे बड़ा संकट अंतिम विदाई का खड़ा हो गया। अंततः ग्रामीणों को अपनी जान जोखिम में डालकर, गहरे पानी के बीच से अर्थी को श्मशान तक पहुंचाना पड़ा।

अठाना में सेवा सेतु ‘सरकार आपके द्वार’ शिविर संपन्न, हितग्राहियों को मौके पर मिला योजनाओं का लाभ

नीमच/ सतीश सैन/ दैनिक मालवा हेराल्ड। सेवा संकल्प अभियान के अंतर्गत ‘सेवा सेतु अभियान’ के माध्यम से शासन की जनकल्याणकारी योजनाओं का लाभ पात्र हितग्राहियों तक पहुंचाने के उद्देश्य से रविवार को नगरपालिका कार्यालय परिसर, नीमच में जिला स्तरीय जन कल्याण शिविर आयोजित किया गया। शिविर में विभिन्न विभागों द्वारा प्रदर्शनी लगाई गई, जहां नागरिकों को योजनाओं की जानकारी देने के साथ आवेदन प्राप्त किए गए तथा पात्र हितग्राहियों को विभिन्न योजनाओं के हितलाभ वितरित किए गए।

कार्यक्रम के मुख्य अतिथि नीमच विधायक श्री दिलीप सिंह परिहार ने कहा कि प्रधानमंत्री श्री नरेंद्र मोदी एवं मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव के नेतृत्व में प्रदेश सरकार जनकल्याण के लिए समर्पित होकर कार्य कर रही है। शासन की योजनाओं का लाभ पात्र हितग्राहियों तक पहुंचाना सरकार की प्राथमिकता है। इसी उद्देश्य से जन कल्याण शिविर आयोजित किए जा रहे हैं। उन्होंने नागरिकों से अपील

लोकसेवक सिर्फ जनता के प्रति जवाबदेह होता है।

अंकगणित भी हुआ फेल 18 कलेक्टर्स के कुल योग से भी भारी अकेला कार्यकाल- वर्ष 1998 में जब से नीमच स्वतंत्र जिला बना, तब से लेकर अब तक यहां करीब 18 कलेक्टर्स आए और गए। लेकिन जो काम पिछले 28 वर्षों में सामूहिक रूप से नहीं हो

सका, उसे अकेले कलेक्टर हिमांशु चंद्रा के नेतृत्व वाली टीम ने कर दिखाया है। उनके द्वारा

मुक्त कराई गई जमीनों का रकबा और बाजार मूल्य, नीमच के इतिहास में अब तक की सभी कार्रवाइयों के कुल योग से भी कहीं अधिक है। शहर से लेकर राजस्व अंचलों तक की दर्जनों एकड़ बेराकीमती जमीनें अब

देबारा मध्य प्रदेश शासन के अधिकार में आ चुकी हैं।

आईआईटी से पढ़े कलेक्टर हिमांशु चंद्रा ने जमीन घोटालों और अवैध कब्जों के पुराने रिकॉर्ड्स का डिजिटल और तकनीकी विश्लेषण करवाया। इसके बाद जब ऑपरेशन शुरू हुआ, तो रसूखदारों को संभलने का मौका तक नहीं मिला।

सम्पादकीय

युवा जनसंख्या, जेन जी पर राष्ट्र बोध की वैचारिकता जरूरी

हमें सदैव वर्तमान में जीना चाहिए, वर्तमान का कठोर श्रम सुनहरे भविष्य की ओर अग्रसर होता है। इतिहास से शिक्षा लेनी चाहिए और भविष्य के प्रति सकारात्मक सोच के साथ आगे सदैव अग्रसर होते रहना चाहिए। किसी भी राष्ट्र को बड़ा बनाने या समृद्ध बनाने के लिए वर्षों की मेहनत अथक प्रयास और सकारात्मक सोच के साथ संयम एवं उच्च मनोबल की आवश्यकता होती है, तब जाकर ही राष्ट्र एक मजबूत तथा विकासवान राष्ट्र बन पाता है। आजादी के 80 वर्ष के बाद भारत ने विकास की गति को बहुत मजबूती के साथ थामा हुआ है। 141 करोड़ की जनसंख्या वाले देश में युवा जनसंख्या का प्रतिशत बहुत ज्यादा है, आने वाले भविष्य में देश की बागडोर इन्हीं युवा हाथों में होने वाली है। एक बहुत अच्छी कहवात है कि आशाओं पर आकाश टिका हुआ है और निरसंदेह आशा,उम्मीद, संभावना बहुत ही सारगर्भित एवं चमत्कारिक शब्द भी हैं। उम्मीद को इतिहास में कई बार चमकार करती आई है। यह आशा एवं उम्मीद का ही प्रतिफल है कि हम सकारात्मक होकर उच्च मनोबल के साथ किसी लक्ष्य की तरफ आगे बढ़ते है। फिर यदि लक्ष्य मेडिकल साइंस में किसी नई दवा को इजाद करना हो या स्पेस रिस्चर्च में नई टेक्नोलॉजी लाना हो या देश मे विकास की नई धारा को प्रवाहित करना हो, तो सकारात्मक ऊर्जा हमें इस संदर्भ में मदद करने वाला तत्व होता है। अच्छी और सही सोच हमेशा अच्छे परिणाम देने वाला होती है, पर बिना सकारात्मक सोच के और बिना किसी सार्थक परिणाम की कल्पना किए हुए इस पसीना बहाना बड़ा ही दुष्कर कार्य प्रतीत होता है। अच्छे पद एवं अथवा अच्छे अंक प्राप्त करने के लिए विद्यार्थी सकारात्मक सोच और उच्च मनोबल तथा संयम को लेकर ही आगे अपनी तैयारी करता है एवं उच्चतम अंक या उच्च पद की प्राप्ति करता है। कोई भी खिलाड़ी ओलंपिक में बिना पदक तो लालसा के तैयारी नहीं कर सकता और पदक को लक्ष्य मानकर जब वह पूर्ण मनोबल के साथ आशाओं की लकीरों के मध्य वह जब अपना पसीना मैदान में बहाता है तो वह लक्ष्य प्राप्ति की ओर लगातार अग्रसर होता है और उसे अंत में अपनी सकारात्मक ऊर्जा के कारण वह पदक अवश्य प्राप्त होता है। दार्शनिक भी कहते हैं कि लक्ष्य प्राप्ति के लिए एक बेहतर और अच्छी शुरुआत सफलता का बहुत बड़ा हिस्सा होती है। हम संभावनाओं के दम पर जो हमें निरंतर प्रेरित करती है अपना पहला कदम उठाकर सफलता सुनिश्चित करते हैं। जीवन की कटु सच्चाई तथा जिंदगी के उतार-चढ़ाव को झेलने के लिए एवं सफलता की ओर अग्रसर होने के लिए हमें आशा एवं सकारात्मक सोच की सदैव मदद करती इसके बिना किसी सफलता के बारे में सोचना भी बेमानी होगा। संभावनाओं को दृष्टिगत रखते हुए हमें अपने संपूर्ण मनोबल के साथ उस कार्य को अंजाम देने के लिए अपनी तरफ से पूरी पूरी कोशिश करनी होगी एवं लक्ष्य के साथ दे तथा साधनों के बारे में पूरी जानकारी प्राप्त कर उस के संदर्भ में उसके अंतर्निहित हर तत्व को भलीभांति पहचान कर उस पर मेहनत करनी होगी अन्यथा बड़े लक्ष्य की प्राप्ति के लिए यदि मेहनत और कठोर श्रम न किया जाए तो असफलता ही हाथ लगती है ।यही वजह है कि जिज भी बड़े लोगों ने बड़ी सफलता प्राप्त की है निरसंदेह उन्होंने कठिन परिश्रम अपने लक्ष्य के लिए किया था, है और करेंगे। हर बड़े कार्य को करने के लिए अच्छी योजना ,अच्छा आकलन एवं उस सफलता को अपना बनाने के लिए सही विचार तथा नीतियां बनानी होगी एवं अपने उपलब्ध संसाधनों का विश्लेषण तथा अवलोकन कर उसकी क्षमता का आकलन करना होगा। केवल हवा में सकारात्मक सोच और मनोबल के दम पर किसी बड़े लक्ष्य को प्राप्त नहीं किया जा सकता। उत्तम एवं बड़े सकारात्मक लक्ष्य की प्राप्ति के लिए एक बड़ी सोच अथक मेहनत एक सुनियोजित नीति एवं पृष्ठभूमि में शांत चित्त मस्तिष्क की आवश्यकता होती है।

सर्वप्रथम हमारे सामने जो उपलब्ध वर्तमान का समय है वर्तमान के अवसर संपूर्ण सदुपयोग कर भविष्य की तमाम सफलताओं को सुनिश्चित किया जा सकता है। हमें सदैव चौकन्ना रहकर जो हमारे सामने समय सीमा है एवं समय के अवसर हैं उन्हें पहचान कर उसका संपूर्ण दोहन कर उपलब्ध संसाधनों का परीक्षण कर समेकित रूप से सब का समुचित उपयोग कर लक्ष्य की प्राप्ति की ओर जागृत होना चाहिए। जैसा कि हमारे प्रधानमंत्री ने कहा की करोना काल में हमें आपदा में अवसर की तलाश करनी चाहिए और अवसर ही हमें किसी भी विकट परिस्थिति से लड़ने एवं उस पर नियंत्रण रखने की शक्ति एवं ऊर्जा प्रदान करते हैं। यह सकारात्मक सोच का ही परिणाम है की कोविड-19 के संक्रमण में भारत जैसे विशाल जनसंख्या वाले देश में उस पर प्रभावी निश्रण किया एवं उस पर विजय प्राप्त की है। यह आसान काम नहीं था किंतु पूरे देश के नागरिकों एवं अग्रिम नेताओं की सकारात्मक सोच तैयारी एवं संसाधनों के समुचित प्रयोग से ही संभव हो पाया। आज हमारे सामने समाज में जो भी हमारे प्रेरणा स्रोत हैं, वे कभी चुनौतियों के सामने झुके नहीं और ना ही उन्हें किसी प्रकार की समाजिक कठिनाई अथवा चुनौती झुका पाई और यही कारण है की वह हमारे प्रेरणा स्रोत बने हुए हैं।

ध्यान : परमात्मा को अपने अस्तित्व में अनुभव करने की स्थिति है



मानव जीवन केवल भौतिक सुख-सुविधाओं की प्राप्ति के लिए नहीं, बल्कि अपने भीतर स्थित परम सत्य को जानने और आत्मसाक्षात्कार प्राप्त करने के लिए मिला है। हमारी यह देह, जो पंचमहाभूतों से बनी है और जिसके नौ द्वार हैं, वास्तव में एक कुरुक्षेत्र है—जहाँ हर क्षण सकारात्मक और नकारात्मक शक्तियों के बीच संघर्ष चलाता रहता है। यही अंतर्द्वंद्व हमारे विचारों, भावनाओं और कर्मों में दिखाई देता है।

भगवद्गीता में वर्णित कुरुक्षेत्र के युद्ध को हम अपने आंतरिक जीवन का प्रतीक भी समझ सकते हैं। हमारे भीतर का क्षेत्रज्ञ, अर्थात् आत्मतत्व, निरंतर हमारा मार्गदर्शन करता है। यही वह परम चेतना है, जो श्रीकृष्ण के रूप में अर्जुन का मार्गदर्शन करती है। हमारे भीतर का अर्जुन जिज्ञासा, शूद्ध इच्छा और सत्य को जानने की उत्कंठा का प्रतीक है। जब यह जिज्ञासा जागृत होती है, तब मनुष्य अपने वास्तविक स्वरूप को जानने की यात्रा प्रारंभ करता है।

सहजयोग ध्यान इसी आंतरिक यात्रा का सहज और प्राकृतिक मार्ग है। श्रीमता निर्मला देवी ने आत्मसाक्षात्कार को प्रत्येक मनुष्य का जन्मसिद्ध अधिकार बताते हुए सहजयोग के माध्यम से कुंडलिनी जागरण और आत्मचेतना के अनुभव का मार्ग बताया। आत्मसाक्षात्कार के पश्चात ध्यान के माध्यम से व्यक्ति अपने भीतर स्थित शक्ति, संतुलन और आनंद को प्रत्यक्ष अनुभव कर सकता है। यह केवल किसी विचार या विश्वास को स्वीकार करना नहीं, बल्कि स्वयं के भीतर उस सत्य का अनुभव करना है।

संत कबीरदास जी ने इसी आंतरिक सत्य की ओर संकेत करते हुए कहा है— ज्यों तिल मांही तेल है, ज्यों चकमक में आग। तेरा साईं तुझमें, बस जाग सके तो जाग।

परमात्मा को बाहर खोजने के बजाय अपने भीतर अनुभव करना ही आत्मज्ञान की दिशा में पहला कदम है। कबीरदास जी कहते हैं—

जा कारण जग हूँइया, सो तो घट ही मांहि। परदा दिया भ्रम का, ताते सुझे नाहि॥

सहजयोग ध्यान के माध्यम से मनुष्य अपने भीतर के इस भ्रम के पर्दे को पहचानने और उससे ऊपर उठने का प्रयास करता है। ध्यान की अवस्था में विचारों की निरंतरता शांत होती है और व्यक्ति निर्विचारिता, आंतरिक शांति एवं आत्मचेतना का अनुभव कर सकता है।

अपने भीतर के कुरुक्षेत्र को धर्मक्षेत्र में परिवर्तित करना ही वास्तविक आध्यात्मिक यात्रा है, जहाँ संघर्ष की जगह शांति, असंतुलन की जगह संतुलन और आशाति की जगह आनंद का अनुभव होने लगता है।

न्याय की धीमी रफ्तार लोकतंत्र की सबसे बड़ी विडंबना है। जब इंसाफ की प्रतिक्षा में पीड़ियाँ गुजर जाएँ, तो अधिकार महज आश्वासन बन जाते हैं। भोपाल मध्यप्रदेश में केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह ने नए अपराधिक कानूनों के पूर्ण क्रियान्वयन के बाद एफआईआर से सुप्रीम कोर्ट तक अपराधिक मामलों के निपटारे के लिए तीन वर्ष का लक्ष्य रखा है। उन्होंने पूर्ण क्रियान्वयन में करीब डेढ़ साल और लगने की बात कही। भारतीय न्याय संहिता, भारतीय नागरिक सुरक्षा संहिता और भारतीय साक्ष्य अधिनियम के जरिए औपनिवेशिक कानूनी विरासत बदलने की पहल हुई है। ये कानून 1 जुलाई 2024 से लागू हैं। लेकिन कानून बदलने से न्याय की रफ्तार बदलने की गारंटी नहीं है। सवाल है कि क्या नई संहिताएं उस जड़ व्यवस्था को बदल पाएँगी, जहाँ तारीखें बढ़ती हैं, मुकदमे खिंचते हैं और इंसाफ की प्रतीक्षा अंतहीन रहती है?

लंबित मुकदमों का अंबार इस लक्ष्य की सबसे बड़ी बाधा है। अधीनस्थ न्यायालयों में लगभग पाँच करोड़, उच्च न्यायालयों में करीब 63-64 लाख और सुप्रीम कोर्ट में करीब नब्बे हजार मामले लंबित हैं। हजारों न्यायिक पद रिक्त हैं। पुलिस विवेचना, अभियोजन, फॉरेंसिक जाँच और कारागार व्यवस्था की खमियाँ भी देरी बढ़ाती हैं। नए कानूनों में चार्जशीट सहित विभिन्न प्रक्रियाओं की समयसीमा तय हुई है और कुछ राज्यों में अनुपालन तेज हुआ है। लेकिन एक चरण की तेजी पूरी न्यायिक प्रक्रिया में तेजी का प्रमाण नहीं है। पुलिस से अदालत तक पर्याप्त संसाधन, प्रशिक्षित कर्मचारी और

निष्काम कर्मयोगी

भारत के लिए यह युग-निर्माण की बेला है। संपूर्ण देश एक नए आत्मविश्वास के साथ नए भारत के निर्माण का संकल्प ले रहा है। भारत आत्मग्लानि से निकलकर आत्मगौरव की ओर बढ़ रहा है और उसका स्वबोध जागृत हो रहा है। इस परिवर्तन को भारत का पुनरुत्थान कहा जा सकता है। जिन महपुरुषों के अथक प्रयासों से भारत का स्वबोध जागृत हुआ और हिंदू समाज में आत्मविश्वास का संचार हुआ, उनमें माननीय अशोक सिंघेल का नाम अग्रणी में आता है।

उन्ने प्रक्ति श्रद्धा व्यक्त करने के लिए समाज ने उन्हें अनेक विशेषणों से संबोधित किया- किसी ने उन्हें हिंदू हृदय सम्राट कहा, किसी ने राम जन्मभूमि आंदोलन का पुरोधा, किसी ने हिंदू पुनरुत्थान का नायक, तो किसी ने राष्ट्र जागरण अभियान का सेनापति।

श्रेय ईश्वर को समर्पित- लेकिन अवसर संपूर्ण सदुपयोग कर भविष्य की तमाम सफलताओं को सुनिश्चित किया जा सकता है। हमें सदैव चौकन्ना रहकर जो हमारे सामने समय सीमा है एवं समय के अवसर हैं उन्हें पहचान कर उसका संपूर्ण दोहन कर उपलब्ध संसाधनों का परीक्षण कर समेकित रूप से सब का समुचित उपयोग कर लक्ष्य की प्राप्ति की ओर जागृत होना चाहिए। जैसा कि हमारे प्रधानमंत्री ने कहा की करोना काल में हमें आपदा में अवसर की तलाश करनी चाहिए और अवसर ही हमें किसी भी विकट परिस्थिति से लड़ने एवं उस पर नियंत्रण रखने की शक्ति एवं ऊर्जा प्रदान करते हैं। यह सकारात्मक सोच का ही परिणाम है की कोविड-19 के संक्रमण में भारत जैसे विशाल जनसंख्या वाले देश में उस पर प्रभावी निश्रण किया एवं उस पर विजय प्राप्त की है। यह आसान काम नहीं था किंतु पूरे देश के नागरिकों एवं अग्रिम नेताओं की सकारात्मक सोच तैयारी एवं संसाधनों के समुचित प्रयोग से ही संभव हो पाया। आज हमारे सामने समाज में जो भी हमारे प्रेरणा स्रोत हैं, वे कभी चुनौतियों के सामने झुके नहीं और ना ही उन्हें किसी प्रकार की समाजिक कठिनाई अथवा चुनौती झुका पाई और यही कारण है की वह हमारे प्रेरणा स्रोत बने हुए हैं।

श्रेय ईश्वर को समर्पित- लेकिन अवसर संपूर्ण सदुपयोग कर भविष्य की तमाम सफलताओं को सुनिश्चित किया जा सकता है। हमें सदैव चौकन्ना रहकर जो हमारे सामने समय सीमा है एवं समय के अवसर हैं उन्हें पहचान कर उसका संपूर्ण दोहन कर उपलब्ध संसाधनों का परीक्षण कर समेकित रूप से सब का समुचित उपयोग कर लक्ष्य की प्राप्ति की ओर जागृत होना चाहिए। जैसा कि हमारे प्रधानमंत्री ने कहा की करोना काल में हमें आपदा में अवसर की तलाश करनी चाहिए और अवसर ही हमें किसी भी विकट परिस्थिति से लड़ने एवं उस पर नियंत्रण रखने की शक्ति एवं ऊर्जा प्रदान करते हैं। यह सकारात्मक सोच का ही परिणाम है की कोविड-19 के संक्रमण में भारत जैसे विशाल जनसंख्या वाले देश में उस पर प्रभावी निश्रण किया एवं उस पर विजय प्राप्त की है। यह आसान काम नहीं था किंतु पूरे देश के नागरिकों एवं अग्रिम नेताओं की सकारात्मक सोच तैयारी एवं संसाधनों के समुचित प्रयोग से ही संभव हो पाया। आज हमारे सामने समाज में जो भी हमारे प्रेरणा स्रोत हैं, वे कभी चुनौतियों के सामने झुके नहीं और ना ही उन्हें किसी प्रकार की समाजिक कठिनाई अथवा चुनौती झुका पाई और यही कारण है की वह हमारे प्रेरणा स्रोत बने हुए हैं।

मानव जीवन केवल भौतिक सुख-सुविधाओं की प्राप्ति के लिए नहीं, बल्कि अपने भीतर स्थित परम सत्य को जानने और आत्मसाक्षात्कार प्राप्त करने के लिए मिला है। हमारी यह देह, जो पंचमहाभूतों से बनी है और जिसके नौ द्वार हैं, वास्तव में एक कुरुक्षेत्र है—जहाँ हर क्षण सकारात्मक और नकारात्मक शक्तियों के बीच संघर्ष चलाता रहता है। यही अंतर्द्वंद्व हमारे विचारों, भावनाओं और कर्मों में दिखाई देता है।

भगवद्गीता में वर्णित कुरुक्षेत्र के युद्ध को हम अपने आंतरिक जीवन का प्रतीक भी समझ सकते हैं। हमारे भीतर का क्षेत्रज्ञ, अर्थात् आत्मतत्व, निरंतर हमारा मार्गदर्शन करता है। यही वह परम चेतना है, जो श्रीकृष्ण के रूप में अर्जुन का मार्गदर्शन करती है। हमारे भीतर का अर्जुन जिज्ञासा, शूद्ध इच्छा और सत्य को जानने की उत्कंठा का प्रतीक है। जब यह जिज्ञासा जागृत होती है, तब मनुष्य अपने वास्तविक स्वरूप को जानने की यात्रा प्रारंभ करता है।

सहजयोग ध्यान इसी आंतरिक यात्रा का सहज और प्राकृतिक मार्ग है। श्रीमता निर्मला देवी ने आत्मसाक्षात्कार को प्रत्येक मनुष्य का जन्मसिद्ध अधिकार बताते हुए सहजयोग के माध्यम से कुंडलिनी जागरण और आत्मचेतना के अनुभव का मार्ग बताया। आत्मसाक्षात्कार के पश्चात ध्यान के माध्यम से व्यक्ति अपने भीतर स्थित शक्ति, संतुलन और आनंद को प्रत्यक्ष अनुभव कर सकता है। यह केवल किसी विचार या विश्वास को स्वीकार करना नहीं, बल्कि स्वयं के भीतर उस सत्य का अनुभव करना है।

संत कबीरदास जी ने इसी आंतरिक सत्य की ओर संकेत करते हुए कहा है— ज्यों तिल मांही तेल है, ज्यों चकमक में आग। तेरा साईं तुझमें, बस जाग सके तो जाग।

परमात्मा को बाहर खोजने के बजाय अपने भीतर अनुभव करना ही आत्मज्ञान की दिशा में पहला कदम है। कबीरदास जी कहते हैं—

जा कारण जग हूँइया, सो तो घट ही मांहि। परदा दिया भ्रम का, ताते सुझे नाहि॥

सहजयोग ध्यान के माध्यम से मनुष्य अपने भीतर के इस भ्रम के पर्दे को पहचानने और उससे ऊपर उठने का प्रयास करता है। ध्यान की अवस्था में विचारों की निरंतरता शांत होती है और व्यक्ति निर्विचारिता, आंतरिक शांति एवं आत्मचेतना का अनुभव कर सकता है।

अपने भीतर के कुरुक्षेत्र को धर्मक्षेत्र में परिवर्तित करना ही वास्तविक आध्यात्मिक यात्रा है, जहाँ संघर्ष की जगह शांति, असंतुलन की जगह संतुलन और आशाति की जगह आनंद का अनुभव होने लगता है।

जवाबदेही के बिना तीन वर्ष का लक्ष्य हासिल करना कठिन है।

न्याय का नया प्रतिमान दंड नहीं, नागरिक को समथबद्ध न्याय देने में निहित है। अमित शाह ने नए कानूनों का मूल मंत्र सजा नहीं, न्याय बताया है। इसका आशय है कि पीड़ित को समय पर राहत मिले, निर्दोष अभियोजन से बचे और अभियुक्त को निष्पक्ष सुनवाई का अधिकार मिले। फैसले की लंबी प्रतीक्षा पीड़ित से न्याय के साथ सामान्य जीवन भी छीन सकती है, जबकि जमानत की आस में बंद विचाराधीन कैदी के लिए देरी ही सजा बन जाती है। लेकिन शीघ्र न्याय का अर्थ जल्दबाजी में दंड नहीं है। साक्ष्यों की विश्वसनीयता, गवाहों की सुरक्षा और अभियुक्त के बचाव का अधिकार भी अनिवार्य हैं। जल्दबाजी फैसले की गति बढ़ा सकती है, लेकिन उसकी विश्वसनीयता घटा सकती है।

औपनिवेशिक कानूनों से आधुनिक न्याय व्यवस्था की ओर संक्रमण नए कानूनों का अहम पक्ष है। ब्रिटिशकालीन कानून औपनिवेशिक प्रशासन की जरूरतों पर केंद्रित थे, जबकि नई संहिताएँ नागरिक-केंद्रित न्याय और आधुनिक अपराधों की चुनौतियों को संबोधित करती हैं। महिला-बाल अपराधों, मॉब लिंगिंग और आत्मकत्वाद से जुड़े प्रावधान इस बदलाव के प्रमुख आयाम हैं। डिजिटल साक्ष्य, वीडियो रिकॉर्डिंग और इलेक्ट्रॉनिक प्रक्रियाएँ विवेचना व सुनवाई को पारदर्शी बना सकती हैं। करीब सोलह लाख कर्मियों का प्रशिक्षण इस दिशा में महत्वपूर्ण कदम है। लेकिन तकनीक की प्रभावशीलता दक्ष पुलिसकर्मियों, प्रशिक्षित न्यायिक

शिक्षकों पर है नई सृष्टि और दृष्टि गढ़ने की जिम्मेदारी

शिक्षक केवल पाठ पढ़ाने वाला व्यक्ति नहीं होता, वह मनुष्य के भीतर छिपी संभावनाओं को पहचानकर उन्हें आकार देने वाला शिल्पकार होता है। वह केवल ज्ञान नहीं देता, जीवन को दिशा देता है; केवल परीक्षा के लिए तैयार नहीं करता, बल्कि परिस्थितियों से संघर्ष करने की क्षमता देता है। आज जब दुनिया अभूतपूर्व परिवर्तन के दौर से गुजर रही है, कृत्रिम बुद्धिमत्ता यानी एआई हमारी जीवन-शैली, कार्य-पद्धति, ज्ञान और संचार के लगभग हर क्षेत्र को प्रभावित कर रही है, तब शिक्षक की भूमिका कम नहीं, बल्कि पहले से कहीं अधिक महत्वपूर्ण हो गई है। मशीनें सूचना दे सकती हैं, उत्तर खोज सकती हैं और अनेक कार्य मनुष्य से तेज कर सकती हैं, लेकिन संवेदना, विवेक, करुणा, नैतिकता और जीवन-मूल्यों का संस्कार मनुष्य ही दे सकता है। यही वह क्षेत्र है जहाँ शिक्षक की भूमिका अद्वितीय है। विश्व शिक्षक दिवस प्रतिवर्ष 5 अक्टूबर को मनाया जाता है। यह दिवस 1966 में आईएलओ-यूनेस्को की शिक्षकों की स्थिति संबंधी अनुशंसा को स्मरण करता है, जिसमें शिक्षकों के अधिकार, दायित्व, प्रशिक्षण, नियुक्ति, रोजगार तथा शिक्षण-कार्य की परिस्थितियों के लिए वैश्विक मानक निर्धारित किए गए थे। 1994 का विश्व शिक्षक दिवस मनाया जा रहा है।

वर्ष 2026 का विश्व शिक्षक दिवस इसलिए विशेष है कि यह 1966 की उस ऐतिहासिक अनुशंसा की 60वीं वर्षाण्ट है। इस वर्ष की थीम है--शिक्षकों के साथ खड़े रहना: पेशे की रक्षा, उसकी स्थिति को उन्नत करना और हमारे भविष्य को आकार देना।= यूनेस्को ने इस अवसर पर बदलती दुनिया में शिक्षकों के सामने डिजिटल तकनीक, कृत्रिम बुद्धिमत्ता, जलवायु परिवर्तन, समावेशन, प्रवासन और विस्थापन जैसी नई चुनौतियों को रेखांकित किया है। इस थीम का संदेश अत्यंत गहरा है। शिक्षक को गुणवत्तापूर्ण प्रशिक्षण, उचित कार्य-परिस्थितियाँ, पेशेवर स्वायत्तता, सामाजिक सम्मान और अपनी प्रतिभा का उपयोग करने के अवसर भी चाहिए। यूनेस्को स्वयं यह रेखांकित करता है कि शिक्षकों को जिस तरह तैयार, समर्थित और सम्मानित किया जाता है, वह शिक्षा की गुणवत्ता और समानता से सीधे जुड़ा है।

आज का युग ज्ञान-विस्फोट का युग है। कभी विद्यार्थी के लिए शिक्षक ज्ञान का प्रमुख स्रोत होता था। आज एक मोबाइल फोन पर असंख्य पुस्तकें, व्याख्यान, पाठ्यक्रम और एआई आधारित उपकरण उपलब्ध हैं। ऐसी स्थिति में प्रश्न उठता है कि जब मशीनें उत्तर देने लगी हैं तो शिक्षक की आवश्यकता क्यों है? इसका उत्तर यही है कि शिक्षक का काम उत्तर देना भर नहीं, सही प्रश्न पूछना सिखाना है। एआई जानकारी दे सकता है, लेकिन उस जानकारी का उपयोग किस उद्देश्य से हो, यह विवेक शिक्षक विकसित करता है। मशीन बुद्धि को तेज कर सकती है,

खतरे की घंटी है अप्रत्याशित मौसम

इस वर्ष के प्रारंभ में ही मौसम विज्ञानियों ने चेता दिया था कि दुनिया का एक बड़ा हिस्सा अल नीनो प्रभाव की चपेट आएगा। अल नीनो प्रशंत महासागर में होने वाली एक प्राकृतिक जलवायु घटना है। इससे लगभग पूरी दुनिया का मौसम प्रभावित होता है। विज्ञानियों का मानना है कि अल नीनो का प्रभाव अगले वर्ष के प्रारंभ तक रह सकता है।

चूँकि धरती का तापमान लगातार बढ़ रहा है, इसलिए अल नीनो का असर भी कहीं अधिक होता जा रहा है। इसके असर से कहीं ज्यादा गर्मी पड़ती है, तो कहीं ज्यादा सर्दी। इसी तरह कहीं कम बारिश और सूखा पड़ता है, तो कहीं अधिक वर्षा होती है। जैसी आशंका थी, अल नीनो का असर भारत पर भी पड़ा। देश के कई क्षेत्र सूखा ग्रस्त हैं और कहीं ज्यादा बारिश हो गई। भारत की कृषि मौसम के चक्र पर अत्यधिक निर्भर है। कृषि भारतीय अर्थव्यवस्था की रीढ़ है। वैसे तो भारत की जीडीपी में कृषि और इससे संबंधित क्षेत्रों की हिस्सेदारी 15-18 प्रतिशत के बीच है, लेकिन इस पर देश की लगभग 50 प्रतिशत आबादी निर्भर है। वर्षा कम या ज्यादा होने से जो समस्याएं आती हैं, वे फसलों के नुकसान का कारण बनती हैं। इसका बुरा प्रभाव देश की अर्थव्यवस्था पर पड़ता है। इस बार 12 प्रतिशत कम बरसात हुई है।

पिछले 25 वर्षों में यह चौथी बार है, जब इतनी कम बारिश हुई है, लेकिन इसी के साथ देश के कुछ हिस्सों में आवश्यक पानी से अधिक बारिश हुई। बीते दिनों बांग्ला की खाड़ी में बने दबाव के चलते उत्तर भारत के कई राज्यों में कम समय में आवश्यकता से अधिक बारिश हुई। इससे कई जगह बाढ़ आ गई और फसलों के नुकसान के साथ अनेक लोगों की जान भी गई। पर्वतीय राज्यों में भी बारिश की अधिकता ने समस्याएं पैदा की हैं। इसके पहले तिब्बत में ग्लेशियर फटने से नेपाल में भारी बाढ़ आई थी, जिसमें हजारों लोग मारे गए। तेजी से बदलते मौसम का चक्र समूचे विश्व के पर्यावरण को प्रभावित कर रहा है। भारत सहित दुनिया के तमाम देशों के आम लोग मौसम में अप्रत्याशित बदलाव के पीछे के कारणों को समझने में असमर्थ हैं। समस्या यह है कि जो लोग इसके कारणों को

कर्मचारियों और ग्रामीण क्षेत्रों में पर्याप्त डिजिटल सुविधाओं पर निर्भर है। इसलिए तकनीकी बदलाव के साथ क्षेत्रीय विषमताएँ दूर करना भी जरूरी है।

तीन वर्षों के लक्ष्य की असली कसौटी आम नागरिक की उम्मीदें हैं। गरीब अभियुक्त को जमानत में देरी, गवाहों का बार-बार अदालत पहुँचना और पीड़ित परिवारों का वर्षों तक मुकदमे लड़ना न्याय व्यवस्था की जमीनी चुनौतियाँ हैं। न्याय तभी सार्थक है, जब वह सुलभ हो, केवल फैसला सुनाने तक सीमित न रहे। इसके लिए जिला और अधीनस्थ न्यायालयों को मजबूत करना प्राथमिकता होनी चाहिए, क्योंकि आम नागरिक का सबसे अधिक सामना इन्हीं से होता है। रिक न्यायिक पद भरना, बुनियादी सुविधाएँ बढ़ाना, कानूनी सहायता देना और अभियोजन को सक्षम बनाना अनिवार्य हैं। अन्यथा तीन वर्ष का आश्वासन भी उन वंचितों के लिए एक और प्रतीक्षा बन जाएगा, जिनके पास न्याय पाने के पर्याप्त आर्थिक और सामाजिक साधन नहीं हैं। गति और निष्पक्षता का संतुलन न्यायिक सुधार की सबसे अहम शर्त है। हर मुकदमे की प्रकृति, साक्ष्यों की जटिलता और गवाहों की परिस्थितियाँ अलग-अलग होती हैं। ऐसे में समयसीमा का अनावश्यक दबाव सुनवाई की गुणवत्ता को प्रभावित कर सकता है। साक्ष्यों की अधूरी जाँच या अभियुक्त को बचाव का पर्याप्त अवसर न मिलना शीघ्र न्याय को अन्याय में बदल सकता है। इसलिए न्यायपालिका की स्वतंत्रता और न्यायाधीशों का विवेक पूरी तरह सुरक्षित रहना जरूरी है। तीन वर्षों का लक्ष्य सुधार की प्रेरणा बने, न कि निष्पक्षता से समझौते का दबाव। तेज और निष्पक्ष न्याय के बीच उचित संतुलन से ही दोनों सवैधानिक अधिकार

सुनिश्चित हो सकते हैं।

क्रियान्वयन की असली परीक्षा कानूनों के प्रावधानों को जमीन पर प्रभावी ढंग से उतारने है। डिजिटल रिकॉर्ड, वीडियो साक्ष्य और पुलिस-अदालत के बीच बेहतर समन्वय तभी कारगर होंगे, जब फॉरेंसिक प्रयोगशालाएँ सक्षम हों, विवेचना समय पर पूरी हो और अभियोजन प्रभावी बने। सरकार को नियमित सार्वजनिक ऑकड़ों के जरिए बताना चाहिए कि कितने मुकदमे तय समयसीमा में निपटे, कितने लंबित हैं और कितन चरणों में देरी हो रही है। इससे प्रगति की स्वतंत्र समीक्षा और जवाबदेही सुनिश्चित होगी। सुधार की जिम्मेदारी केवल न्यायपालिका की नहीं, बल्कि पुलिस, अभियोजन, प्रशासन और सरकार की भी है। पर्याप्त बजट, प्रशिक्षित मानवबल और निरंतर निगरानी के बिना नई संहिताओं से अपेक्षित बदलाव अधूरे रहेंगे।

तीन वर्षों में न्याय का लक्ष्य केवल समयसीमा तय करने का विषय नहीं, बल्कि दशकों से जड़ जमा चुकी न्यायिक देरी से निर्णायक मुक्ति की कसौटी है। नए कानूनों की सार्थकता तभी सिद्ध होगी, जब उन्माद प्रभाव अदालतों की चारदीवारी से निकलकर आम नागरिक के जीवन में दिखाई दे। न्याय की गति ऐसी हो कि पीड़ित का भरोसा न टूटे और निष्पक्षता ऐसी कि निर्दोष का अधिकार न कुचोले। अंततः न्याय व्यवस्था की सफलता इस बात में नहीं कि कितने मुकदमों का निपटारा हुआ, बल्कि इसमें है कि कितने नागरिकों को समय रहते इंसाफ मिला। क्योंकि न्याय जब तक समय पर नहीं मिलता, तब तक कानून का शासन अपने पूर्ण अर्थों में स्थापित नहीं हो सकता।

—प्रो. आरके जैन

शिक्षकों पर है नई सृष्टि और दृष्टि गढ़ने की जिम्मेदारी

फिर धीरे-धीरे अनावश्यक अंश हटाकर उसे आकार देता है। उसी प्रकार शिक्षक विद्यार्थी के भीतर छिपी प्रतिभा को पहचानता है। किसी में विज्ञान की प्रतिभा होती है, किसी में साहित्य की, किसी में कला की, किसी में नेतृत्व की और किसी में सेवा की। शिक्षक का दायित्व सच होना है कि एक ही सॉचें में ढालन नहीं, बल्कि प्रत्येक विद्यार्थी की विशिष्टता को पहचानकर उसे विकसित करना है।

नई सृष्टि का निर्माण ईंट-पत्थरों से नहीं, नई चेतना वाले मनुष्यों से होगा। आने वाले समय में कृत्रिम बुद्धिमत्ता दुनिया की कार्य-व्यवस्था को कितना भी बदल दे, मनुष्य की करुणा, नैतिकता, कल्पनाशीलता और उत्तरदायित्व का महत्व बना रहेगा। इसलिए आज शिक्षक के सामने सबसे बड़ा प्रश्न यह नहीं है कि वह विद्यार्थी को कितनी जानकारी दे सकता है, बल्कि यह है कि वह विद्यार्थी को कैसा मनुष्य बना सकता है। महान दार्शनिक आचार्य महाप्रज्ञ का विचार था कि व्यक्तित्व-निर्माण अत्यंत कठिन कार्य है और जागरूक, निःस्वार्थ शिक्षक ही दूसरे व्यक्तित्व का निर्माण कर सकता है। यही शिक्षक की असली तपस्या है। वह प्रतिदिन अनेक जीवनों को स्पर्श करता है और उसे पता भी नहीं होता कि उसकी कहीं हुई कोई छोटी-सी बात किसी विद्यार्थी के जीवन की दिशा बदल सकती है। आज विश्व शिक्षक दिवस हमें केवल शिक्षकों को धन्यवाद देने का अवसर नहीं देता, बल्कि यह आत्ममंथन का भी अवसर है कि हम शिक्षक को वह सम्मान, स्वतंत्रता और सहयोग दे रहे हैं या नहीं, जिसकी उसे आवश्यकता है। 1966 की अनुशंसा के छह दशक बाद भी यूनेस्को इस पेशे की स्थिति को पुनर्विचार का विषय बना रहा है, क्योंकि बदलती दुनिया ने शिक्षक के सामने नई चुनौतियां खड़ी कर दी हैं।

आज शिक्षक के हाथ में केवल चाँक और किताब नहीं, बल्कि आने वाली सभ्यता की दिशा है। वह तय कर सकता है कि एआई से समृद्ध होने वाली दुनिया अधिक मानवीय बनेगी या अधिक यांत्रिक; ज्ञान बढ़ने के साथ विवेक बढ़ेगा या नहीं; तकनीकी प्रगति के साथ करुणा और अहिंसा भी आगे बढ़ेंगी या नहीं। इसलिए 2026 की थीम--शिक्षकों के साथ खड़े रहना--दरअसल भविष्य के साथ खड़े रहने का आह्वान है। शिक्षक को सशक्त करना नई पीढ़ी को सशक्त करना है। सम्मान करना ज्ञान, संस्कार और मानवता का सम्मान करना है। और शिक्षकों को उसकी गरिमा लौटाटना उस नई सृष्टि की नींव मजबूत करना है, जिसमें विज्ञान के साथ संवेदना, बुद्धि के साथ विवेक, शक्ति के साथ करुणा और प्रगति के साथ शांति का सह-अस्तित्व हो। क्योंकि मशीनें भविष्य को तेज बना सकती हैं, लेकिन शिक्षक ही भविष्य को मानवीय बना सकते हैं।

—ललित गर्ग

समझते हैं, वे भी पर्यावरण को दूषित करने के साथ प्रकृति का अधाधुंध दोहन कर रहे हैं। प्राकृतिक संसाधनों का मनमाना दोहन लगभग 40-50 वर्ष पहले शुरू हुआ था, जब उद्योगीकरण अपने पूरे जोर पर था और जब प्रदूषण रोधी तकनीक विकसित नहीं हो पाई थी।

पहले मौसम विज्ञानियों को प्राकृतिक संसाधनों के मनमाने दोहन को लेकर इसका अनुमान नहीं था कि इसका आगे चलकर पर्यावरण पर क्या प्रभाव पड़ेगा। इसके चलते विकसित देशों ने प्राकृतिक संसाधनों का दोहन जारी रखा और आज जब वे इसके दुष्परिणामों से परिचित हो चुके हैं, तब भी ऐसा करने में लगे हुए हैं। यह तब है, जब उन्हीं के मौसम विज्ञानियों ने काफी पहले आह्वान करना शुरू कर दिया था कि संभल जाएं, नहीं तो गंभीर संकट आने वाला है। यह दोहन भी बता रहे थे कि प्राकृतिक संसाधनों का मनमाना दोहन धरती का तापमान बढ़ा रहा है। पिछले कुछ वर्षों से धरती के बढ़ते तापमान को रोकने के लिए जलवायु सम्मेलन हो रहे हैं और उनमें पर्यावरण को बचाने के उपायों पर सहमति भी बन रही है, लेकिन उन पर अमल नहीं हो पा रहा है। यदि हो भी रहा है, तो आधे-अधूरे ढंग से। अमेरिका खासतौर पर अपनी जिम्मेदारी निभाने को तैयार नहीं।

अमेरिकी राष्ट्रपति ट्रंप जलवायु परिवर्तन को नकारते हैं। उनके कारण अमेरिका के फरवरी 2027 में संयुक्त राष्ट्र जलवायु परिवर्तन फ्रेमवर्क कन्वेंशन से पूरी तरह बाहर होने की घोषणा की है। पिछले कुछ वर्षों में चीन ने अपने को विकसित करने के क्रम में प्राकृतिक संसाधनों का मनमाने तरीके से दोहन किया है, अभी भी करने में लला हुआ है। विकसित देश यह चाह रहे हैं कि विकासशील देश अपने विकास की अनदेखी कर जलवायु परिवर्तन रोकने के उपाय करें, पर वे इन देशों को वह तकनीक देने को तैयार नहीं, जिससे धरती के तापमान को बढ़ाने वाले कारणों का निवारण किया जा सके। इस सबके तबीजे में ही मौसम में अप्रत्याशित बदलाव देखने को मिल रहे हैं।

भारत विश्व की सबसे अधिक आबादी वाला देश बन

गया है। भारत के विकासशील देश होने के नाते यहां मौसम के तेजी से बदलते चक्र का कहीं अधिक प्रभाव देखने को मिल रहा है। इसका असर किसानों और गरीब जनता पर सबसे अधिक होता है। लोग भले ही रोजमर्रा के जीवन में मौसम के तेजी से बदलते चक्र को महसूस न कर पाएं, लेकिन अब समय आ गया है कि सरकार लोगों को प्रकृति के संरक्षण को लेकर जागरूक करे।

उसे लोगों को यह भी समझाना होगा कि प्राकृतिक संसाधनों का मनमाना दोहन और उपभोग प्रदूषण बढ़ाने का काम कर रहा है। जहां केंद्र सरकार से लेकर राज्य सरकारों को ऐसी ठोस योजनाएं बनानी होंगी, जिससे प्रदूषण की रोकथाम हो, वहीं लोगों को भी अपने हिस्से की जिम्मेदारी निभानी होगी। बढ़ते प्रदूषण को नियंत्रित करने के लिए भारत को अब ठोस उपाय करने ही होंगे, क्योंकि उनके अमल में देर हो चुकी है। ध्यान रहे कि कुछ अध्ययन यह कह रहे हैं कि यदि सर्दियों में होने वाला प्रदूषण कम नहीं होता, तो फसलों की पैदावार कम होने की आशंका है।

इसका कारण यह है कि अधिक प्रदूषण से उत्तर भारत में सूरज की रोशनी धरती पर कम पहुंच पाती है और यह पैदावार पर असर डालती है। जो प्रदूषण बरसात के बाद आता है, उसे नियंत्रित करने की अब तमाम तकनीक उपलब्ध है, फिर भी जलने-अनजलने उसका समुचित उपयोग नहीं हो रहा है। इसका कारण औसत देशवासियों का पर्यावरण रक्षा के प्रति सतर्क न होना भी है। इसी वजह से कहीं फसलों के अवशेष जलते हैं, तो कहीं कूड़ा-करकट। इसी तरह

देवास में विशाल निःशुल्क स्वास्थ्य शिविर आयोजित, प्रमुख सचिव पोरवाल एवं कलेक्टर ने किया अवलोकन

ग्राम स्तर तक स्वास्थ्य सुविधाएं पहुंचाने की पहल- निःशुल्क स्वास्थ्य शिविर में 947 नागरिकों का हुआ स्वास्थ्य परीक्षण

देवास/ राजेन्द्र सिंह पंवार/ दैनिक मालवा हेराल्ड। मुख्यमंत्री जन-विश्वास अभियान' के साथ 'सेवा संकल्प अभियान' के अंतर्गत देवास में विशाल निःशुल्क स्वास्थ्य शिविर का आयोजन किया गया। शिविर का उद्देश्य ग्राम स्तर तक स्वास्थ्य सुविधाओं एवं विशेषज्ञ चिकित्सकीय सेवाओं की पहुंच सुनिश्चित करना रहा। शिविर में बड़ी संख्या में नागरिकों एवं मरीजों ने पहुंचकर विशेषज्ञ चिकित्सकों से निःशुल्क स्वास्थ्य परामर्श एवं उपचार का लाभ लिया। प्रमुख सचिव खनिज विवेक पोरवाल एवं कलेक्टर ऋतुराज सिंह ने संयुक्त रूप से स्वास्थ्य शिविर की व्यवस्थाओं का अवलोकन किया। उन्होंने



पंजीयन काउंटर, जांच कक्ष एवं दवा वितरण केंद्र का निरीक्षण किया तथा चिकित्सकों से मरीजों को उपलब्ध कराई जा रही स्वास्थ्य सेवाओं, जांच सुविधाओं एवं उपचार

व्यवस्था की जानकारी ली।

इस दौरान प्रमुख सचिव पोरवाल एवं कलेक्टर सिंह ने शिविर में उपचार एवं जांच के लिए पहुंचे नागरिकों तथा मरीजों से संवाद कर उनका कुशलक्षेम जाना। उन्होंने मरीजों से शिविर में उपलब्ध सुविधाओं के संबंध में जानकारी ली तथा संबंधित अधिकारियों एवं चिकित्सकों को आवश्यक व्यवस्थाएं

सुचारू बनाए रखने के निर्देश दिए।शिविर में सामान्य रोगों के साथ-साथ विभिन्न जटिल बीमारियों की जांच एवं चिकित्सकीय परामर्श अनुभवी एवं विशेषज्ञ चिकित्सकों

के दल द्वारा प्रदान किया गया। जांच के उपरांत मरीजों को स्वास्थ्य प्रबंधन एवं आवश्यक सावधानियों के संबंध में परामर्श दिया गया। जरूरतमंद मरीजों को आवश्यक दवाइयों का मौके पर ही निःशुल्क वितरण किया गया।

प्रमुख सचिव पोरवाल एवं कलेक्टर सिंह ने आमजन से शासन द्वारा आयोजित ऐसे जनहितैषी स्वास्थ्य शिविरों का अधिकाधिक लाभ उठाने का आग्रह किया। उन्होंने कहा कि इस प्रकार के शिविरों के माध्यम से विशेषज्ञ स्वास्थ्य सेवाओं को आमजन के निकट पहुंचाने तथा ग्रामीण एवं दूरस्थ क्षेत्रों के नागरिकों को समय पर स्वास्थ्य परामर्श एवं उपचार उपलब्ध कराने में सहायता मिलती है।

निःशुल्क स्वास्थ्य शिविर में नागरिकों को बेहतर एवं सुलभ स्वास्थ्य सेवाएं उपलब्ध कराई गईं। शिविर में कुल 947 नागरिकों का स्वास्थ्य परीक्षण किया गया। विभिन्न स्वास्थ्य जांच एवं सेवाओं का लाभ नागरिकों ने लिया।शिविर में 56 नागरिकों के आयुष्मान कार्ड बनाए गए एवं संबंधित सेवा प्रदान की गईं। इसके अलावा 72 एक्स-रे, 130 लेब जांच, 192 नेत्र जांच, 58 दंत जांच, 48 मैमोग्राफी, 57 ईसीजी, 31 पेप स्मीयर, 76 सोनोग्राफी, 11 इको टेस्ट तथा 17 लीवर स्कैन किए गए।शिविर के दौरान 8 हितग्राहियों को मोतियाबिंद सर्जरी के लिए चिन्हित और लाभान्वित किया गया। वहीं 1 नागरिक को मेडिकल बोर्ड का प्रमाण-पत्र भी प्रदान किया गया।

पितृ पक्ष के अवसर पर अपने पूर्वजों के प्रति श्रद्धा व्यक्त करते हुए उनकी आत्मा की शांति व सद्गति के निमित्त तर्पण, पिंडदान व पितृ यज्ञ सम्पन्न

पितृ यज्ञ में श्रद्धालुओं ने अपनी एक बुराई छोड़ कर एक अच्छाई ग्रहण की

देवास/ राजेन्द्र सिंह पंवार/ दैनिक मालवा हेराल्ड। गायत्री शक्तिपीठ साकेत नगर एवं गायत्री प्रज्ञापीठ विजयनगर पर पितृ पक्ष के अवसर पर अपने पूर्वजों के प्रति श्रद्धा व्यक्त करते हुए उनकी आत्मा की शांति व सद्गति के निमित्त तर्पण, पिंडदान एवं पितृ यज्ञ किया गया जिसमें बड़ी संख्या में महिला-पुरुषों ने भाग लिया।



गायत्री शक्तिपीठ के मीडिया प्रभारी विक्रमसिंह चौधरी ने बताया कि भारतीय संस्कृति में यह तथ्य घोषित किया गया है कि मृत्यु के साथ जीवन समाप्त नहीं होता, अनन्त जीवन श्रंखला की एक कड़ी मृत्यु भी है इसलिए संस्कारों के क्रम में जीव की उस स्थिति को भी बांधा गया है। जब वह एक जन्म पूरा करके अगले जन्म की ओर उन्मुख होता है तो कामना की जाती है कि सम्बंधित जीवात्मा का अगला जीवन पिछले की अपेक्षा अधिक सुसंस्कार बने इस निमित्त जो कर्मकांड किये जाते हैं, उसका लाभ जीवात्मा को

किया-कर्म करने वालों की श्रद्धा के माध्यम से ही मिलता है। इसीलिए मरणोत्तर संस्कार को श्राद्धकर्म भी कहा जाता है। इसी के निमित्त गायत्री शक्तिपीठ साकेत नगर एवं गायत्री प्रज्ञापीठ विजय नगर पर परम पूज्य गुरु सता की सूक्ष्म उपस्थिति एवं संरक्षिका दुर्गा दीदी के सानिध्य में तर्पण, पिंडदान एवं पितृ यज्ञ किया गया जिसमें 45 भाईयों एवं 27 बहनों ने उत्साह पूर्वक भाग लिया। पितृ यज्ञ में श्रद्धालुओं ने अपनी एक बुराई छोड़ कर एक अच्छाई ग्रहण की। गायत्री शक्तिपीठ एवं गायत्री

प्रज्ञापीठ द्वारा सम्पूर्ण व्यवस्था निःशुल्क की जाती है। कार्यक्रम में महेश आचार्य, विजेन्द्रसिंह बैस, देवीशंकर तिवारी, प्रमोद निहाले, सुरेश चौहान, केशव पटेल, अरुणेंद्र सोनी, मनोज बैरागी, सुजन शर्मा, सुभाष धोते, विजय गरोठकर, केशव शर्मा, उर्मिला बैस, राधा राठौर, रेखा येवले, चंचल यादव आदि का सराहनीय योगदान रहा। कार्यक्रम में कमल शर्मा, एस. एन. चतुर्वेदी, सुरेश आचार्य, आशीष साधु, गोविन्द पाटीदार, मेघा पंवार, टीना साधु, माया आचार्य, राधा चंदावाला सहित कई परिजनों ने भागीदारी की। कर्मकांड का संचालन गायत्री शक्तिपीठ पर रामनिवास कुशवाह एवं गायत्री प्रज्ञापीठ पर ज्ञानदेव बोड़खे द्वारा किया गया। कार्यक्रम में शामिल सभी श्रद्धालुओं का आभार मुख्य प्रबन्ध ट्रस्टी महेश पंड्या एवं राजेंद्र पोरवाल ने माना। श्री चौधरी ने आगे बताया कि गायत्री शक्तिपीठ एवं गायत्री प्रज्ञापीठ पर सर्वपितृ मोक्ष अमावस्या 10 अक्टूबर शनिवार को भी तर्पण व पिंडदान निःशुल्क किया जाएगा।

ठगी के लिए अब शासकीय योजनाओं का सहारा

पीएम आवास के नाम से भेज रहे फर्जी लिंक, वलीक करते ही बंद हुआ मोबाइल

सेवा सेतु अभियान के तहत नगरीय निकायों में शिविर आयोजित

सीहोर/ दैनिक मालवा हेराल्ड। सीहोर नगरीय निकाय सहित जिले के अन्य नगरीय निकायों में सेवा सेतु अभियान के तहत शिविरों का आयोजन किया गया। शिविरों में विभिन्न शासकीय जनकल्याणकारी योजनाओं के पात्र हितग्राहियों को लाभान्वित किया गया। अधिकारियों एवं कर्मचारियों ने नागरिकों को शासन की योजनाओं की जानकारी देते हुए पात्र हितग्राहियों के आवेदन एवं प्रकरणों का निराकरण किया। शिविरों में बड़ी संख्या में नागरिकों ने पहुंचकर अपनी समस्याएं एवं शिकायतें दर्ज कराईं। संबंधित विभागों के अधिकारियों द्वारा प्राप्त शिकायतों की सुनवाई करते हुए उनका यथासंभव मौके पर ही समाधान किया गया। नागरिकों को शासकीय योजनाओं एवं सेवाओं का लाभ सहजता और सुगमता से उपलब्ध कराने के लिए आवश्यक मार्गदर्शन भी दिया गया। अभियान के तहत विभिन्न नगरीय निकायों में स्वास्थ्य शिविर भी आयोजित किए गए। शिविरों में चिकित्सकों द्वारा नागरिकों का स्वास्थ्य परीक्षण किया गया तथा आवश्यक परामर्श दिया गया। जरूरतमंद नागरिकों को निशुल्क दवाओं का वितरण भी किया गया।

सेवा मेरा योगदान के तहत वृद्धाश्रम में हुआ कार्यक्रम, वृद्धजनों के सम्मान, सेवा एवं अपनत्व का दिया संदेश



ग्वालियर/ दैनिक मालवा हेराल्ड। योजना आर्थिक एवं सांख्यिकी विभाग के अंतर्गत संचालित मध्यप्रदेश जन अभियान परिषद ग्वालियर से संबद्ध नवांकुर संस्था सफल युवा मंडल ग्वालियर द्वारा रविवार को माधव बाल निकेतन वृद्धाश्रम में सेवा एवं आत्मीयता से परिपूर्ण एक विशेष कार्यक्रम का आयोजन किया गया। यह कार्यक्रम जन अभियान परिषद के दिशा-निर्देशानुसार सेवा-संकल्प अभियान के तहत आयोजित सेवा मेरा योगदान कार्यक्रम 02 से 10 अक्टूबर की श्रृंखला के अंतर्गत संपन्न हुआ। जिसकी मुख्य प्रेरणा सेवा से जनभागीदारी और जनभागीदारी से जनांदोलन की मूल भावना है। कार्यक्रम में मुख्य अतिथि के रूप में कमलराजा गर्लस कॉलेज ग्वालियर की प्राचार्य डॉ. साधना श्रीवास्तव एवं विशिष्ट अतिथि के रूप में वरिष्ठ समाजसेवी राजकुमार प्रजापति उपस्थित रहे।

इस अवसर पर डॉ. साधना श्रीवास्तव ने वृद्धजनों से आत्मीय संवाद कर उनके जीवन के अनुभवों और भावनाओं को जाना। उन्होंने कहा कि वृद्धजन हमारे

कि वृद्धाश्रमों की बढ़ती संख्या आज के समाज के लिए गहरी चिंता का विषय है। सरकार और समाज को मिलकर ऐसी व्यवस्थाएं बनानी चाहिए, जिससे बुजुर्ग अपने बच्चों व परिजनों के साथ सम्मानपूर्वक रह सकें। उन्होंने इच्छा व्यक्त की कि एक दिन ऐसा आए जब परिवार होते हुए भी कोई वृद्ध वृद्धाश्रम में रहने को मजबूर न हो। कार्यक्रम के उद्देश्यों पर प्रकाश डालते हुए सफल युवा मंडल के अध्यक्ष श्री अरविंद कुशवाह ने विस्तारपूर्वक जानकारी दी। उन्होंने बताया कि इस 9 दिवसीय विशेष 'सेवा मेरा योगदान' सप्ताह का मुख्य ध्येय समाज के अंतिम छोर पर बैठे रह जरूरतमंद व्यक्ति तक पहुंचना है। परिषद के मार्गदर्शन में संस्था स्वास्थ्य शिविरों, स्वच्छता, पर्यावरण संरक्षण, वृद्धजन एवं दिव्यांग सेवा हेतु निरंतर प्रतिबद्ध है। कार्यक्रम के अंत में उपस्थित अतिथियों एवं संस्था के सदस्यों ने वृद्धजनों का आशीर्वाद लिया तथा भविष्य में भी सेवा एवं सामाजिक सरोकारों से जुड़े ऐसे कार्यक्रम निरंतर आयोजित करने का संकल्प लिया।

ग्वालियर/ दैनिक मालवा हेराल्ड। मध्यप्रदेश शासन के सेवा संकल्प अभियान के तहत रविवार को शासकीय योजनाओं का लाभ पात्र हितग्राहियों तक पहुंचाने के उद्देश्य से नगर निगम के सभी 25 क्षेत्रीय कार्यालयों में सेवा सेतु शिविर आयोजित किए गए। शिविरों में नागरिकों को विभिन्न जनकल्याणकारी योजनाओं की जानकारी देने के साथ हजारों पात्र हितग्राहियों को योजनाओं का लाभ उपलब्ध कराया गया। सभी जॉन पर 5267 का आवेदन विभिन्न योजनाओं के अंतर्गत प्राप्त किए गए। सेवा संकल्प अभियान के अंतर्गत आयोजित जिला स्तरीय सेवा सेतु शिविर का शुभारंभ क्षेत्रीय कार्यालय क्रमांक 18 गोरखी में मध्यप्रदेश शासन के उद्यानिकी एवं सामाजिक न्याय मंत्री श्री नारायण सिंह कुशवाहा तथा पंच संघ एवं मध्यप्रदेश स्टेट सिविल सप्लाई कॉरपोरेशन के अध्यक्ष श्री के.पी. यादव ने किया। इस अवसर पर भाजपा के जिला अध्यक्ष श्री जयप्रकाश राजोरिया सहित बड़ी संख्या में नागरिकों के साथ पटौड शहर के अधिकारी उपस्थित रहे। सिविल के शुभारंभ अवसर पर अतिथियों का स्वागत नगर निगम अपर आयुक्त श्री प्रदीप तोमर ने किया। इस दौरान अतिथियों द्वारा शिविर में पहुंचे नागरिकों से संवाद कर उनकी समस्याओं और योजनाओं से संबंधित जरूरतों की जानकारी ली।



इसी क्रम में क्षेत्रीय कार्यालय क्रमांक 14 में कलेक्टर श्रीमती रुचिका चौहान ने सेवा सेतु शिविर का अवलोकन किया। उन्होंने अधिकारियों को निर्देश दिए कि शिविर में आने वाले सभी पात्र हितग्राहियों को शासन की योजनाओं का लाभ समय पर उपलब्ध कराया जाए। साथ ही आवेदनों के निराकरण में अनावश्यक देरी न हो और पात्र नागरिकों को योजनाओं का लाभ लेने में किसी प्रकार को परेशानी का सामना न करना पड़े। शहर के अन्य सभी क्षेत्रीय कार्यालयों में भी स्थानीय जनप्रतिनिधियों की मौजूदगी में शिविर शुरू किए गए। यहां बड़ी संख्या में नागरिकों ने पहुंचकर विभिन्न शासकीय योजनाओं की जानकारी ली। अधिकारियों और कर्मचारियों ने हितग्राहियों के दस्तावेजों एवं पात्रता की जांच कर आवश्यक

धरमपुर तीर्थ गुजरात में होगी जैन सोशल ग्रुप की 16वीं राष्ट्रीय कांफेंस



शाजापुर/दैनिक मालवा हेराल्ड। अखिल भारतीय जैन सोशल ग्रुप फेडरेशन की 16वीं राष्ट्रीय कांफेंस धरमपुर तीर्थ (गुजरात) में आयोजित होगी। जिसमें शामिल होने के लिए शाजापुर जैन सोशल ग्रुप मेन एवं यूनिंक के सदस्य शाजापुर से रवाना हुए। दरअसल 04 एवं 05

अक्टोबर को आयोजित उक्त दो दिवसीय राष्ट्रीय कांफेंस का शुभारंभ प्रथम दिवस 04 अक्टोबर रविवार को उद्घाटन सत्र में ध्वजारोहण के साथ कार्यक्रम शुरू किया गया। इस दिन धार्मिक तंबोला व तीर्थ दर्शन व आरती का आयोजन किया गया। रात्रि 8 बजे प्रसिद्ध संगीतकार विनित मेमावत द्वारा संगीतमय भजन संध्या का आयोजन हुआ। कांफेंस के द्वितीय दिवस 5 अक्टोबर सोमवार प्रातः 10 बजे भव्य वरघोड़े का आयोजन होगा। दोपहर 3 से 5 बजे तक धार्मिक तंबोला तथा शाम 7 बजे से तीर्थ दर्शन व आरती होगी। रात्रि 8 बजे विभिन्न रूपां द्वारा प्रभु भक्ति की जाएगी। दो दिवसीय आयोजन के उपरांत 6 अक्टोबर मंगलवार को सभी गंतव्य के लिए प्रस्थान करेंगे। उक्त कांफेंस में शामिल होने के लिए मुख्य रूप से दिनेश जैन, प्रो.डा.राजेन्द्र जैन, विजय बिड़ला, मनोज नारेलिया, संजय रामसणा, राजू तातेड़, लोकेश जैन (बंटी), आशीष जैन, संदीप जैन, सचिन जैन (मोंटू), मितेश कोठारी, नवीन जैन, दीपक जैन, कुणाल जैन, रितेश जैन, मंगल नाहर, जय नारेलिया, अक्षय नारेलिया तथा रोहन जैन परिवार सहित रवाना हुए।

विभिन्न विभागों के अधिकारियों ने सुलझाई नगरवासियों की समस्या



शाजापुर/ दैनिक मालवा हेराल्ड। नगर के वार्ड क्र. 26 स्थित विजय श्री हनुमान मंदिर परिसर में रविवार को नगर के विभिन्न विभागों के अधिकारियों की टीम पहुंची थी जो बारी-बारी से लोगों की समस्या का समाधान कर रही थी। इस शिविर में एमपीईवी, स्वास्थ्य विभाग, महिला बाल विकास विभाग सहित कई शासकीय विभागों के अधिकारी पहुंचे थे जो लोगों की समस्या का समाधान कर रहे थे। इस दौरान कई लोगों की समस्या का मौके पर ही समाधान किया गया। वहीं शेष अन्य समस्याओं के समाधान के लिए अधिकारियों ने समय सीमा तय की है जिसमें मामले से संबंधित जांच के बाद आगामी कार्रवाई की जाएगी। इसके अलावा लाइली लक्ष्मी सहित विभिन्न योजनाओं के हितग्राहियों को भी मौके पर ही लाभान्वित किया गया। जिन्हें अधिकारियों द्वारा मौके पर ही प्रमाण-पत्र और लाभों का वितरण किया गया। इस अवसर पर नपाध्यक्ष प्रेम जैन, भाजपा नगर मंडल अध्यक्ष पं. आशीष नगर, नगर महामंत्री विकास सिंदल, एसडीएम मनीषा वास्करले, नपा सीएमओ भूपेंद्रकुमार दीक्षित, पार्षद मुकेश दुबे, त्रक्रम सौराष्ट्रीय, अजय चंदेल सहित बड़ी संख्या में आमजन उपस्थित थे।

सेवा सेतु अभियान के तहत नगर पालिका में शिविर आयोजित



सीहोर/ दैनिक मालवा हेराल्ड। सेवा सेतु अभियान के तहत नगर पालिका परिषद सीहोर में 'आपकी सरकार आपके द्वार' की अवधारणा के अनुरूप बहुविभागीय शिविर का आयोजन किया गया। शिविर में विभिन्न विभागों के अधिकारी एवं कर्मचारी उपस्थित रहे और बड़ी संख्या में पहुंचे नागरिकों की समस्याएं सुनीं। अनेक समस्याओं का मौके पर ही निराकरण किया गया तथा पात्र हितग्राहियों को शासन की जनकल्याणकारी योजनाओं का लाभ दिलाने की प्रक्रिया की गई।

शिविर में सामाजिक न्याय, श्रम, नगरीय प्रशासन एवं विकास, शिक्षा, ऊर्जा, सूक्ष्म, लघु एवं मध्यम उद्यम, राजस्व, खाद्य एवं आपूर्ति तथा स्वास्थ्य सहित विभिन्न विभागों द्वारा स्टॉल लगाए गए। अधिकारियों द्वारा नागरिकों को शासन की विभिन्न योजनाओं की जानकारी दी गई तथा प्राप्त आवेदनों एवं शिकायतों के निराकरण की कार्रवाई की गई। शिविर में बड़ी संख्या में शहरवासियों ने पहुंचकर अपनी समस्याएं अधिकारियों के समक्ष रखीं।

इस अवसर पर नगर पालिका अध्यक्ष श्री प्रिंस राठौर ने कहा कि नागरिकों को शासकीय योजनाओं और सुविधाओं का लाभ लेने के लिए अलग-अलग कार्यालयों के चक्कर न लगाने पड़ें, इसी उद्देश्य से 'आपकी सरकार आपके द्वार' के माध्यम से विभिन्न विभागों को एक ही स्थान पर लाकर समस्याओं का समाधान किया जा रहा है। उन्होंने कहा कि सेवा सेतु अभियान शासन और जनता के बीच की दूरी कम करने का महत्वपूर्ण माध्यम है। उन्होंने अधिकारियों से शिविर में प्राप्त आवेदनों पर गंभीरता से कार्रवाई करते हुए पात्र हितग्राहियों को समय-सीमा में लाभ पहुंचाने के निर्देश दिए। इस अवसर पर सीएमओ श्री सुधीर सिंह, विभिन्न विभागों के अधिकारी-कर्मचारी, पार्षद श्री नरेंद्र राजपूत, जैन कमलेश राठौर, श्री मांगीलाल मानवीर्य सहित अन्य जनप्रतिनिधि उपस्थित रहे।

विधायक शेखावत का सरकार पर चौतरफा हमला

पूर्व मंत्री दतीगांव पर साधा निशाना, कहा- लापरवाही से लटकी नर्मदा परियोजना

बदनावर/ मनीष शर्मा/ दैनिक मालवा हेराल्ड। बदनावर विधायक भंवर सिंह शेखावत ने विधायक कार्यालय में आयोजित पत्रकार वार्ता में प्रदेश सरकार और पूर्व जन प्रतिनिधियों की कार्यशैली पर तीखा हमला बोला। उन्होंने चुनावी धांधली, लटकी हुई विकास योजनाओं और किसानों की बदहाली को लेकर सत्तापक्ष को आड़े हाथों लिया। ?विधायक शेखावत ने नर्मदा जल परियोजना की धीमी गति को लेकर पूर्व उद्योग मंत्री राजवर्धन सिंह दतीगांव को सीधे निशाने पर लिया। उन्होंने आरोप लगाया कि पद पर रहते हुए पूर्व मंत्री इस अहम योजना को जमीन पर नहीं उतार पाए। जिस नर्मदा का पानी जनता को वर्ष 2025



में मिलना था, उसकी राह अब 2027 तक देखनी पड़ेगी। वहीं ?शेखावत ने दावा किया कि बदनावर विधानसभा में फॉर्म-7 का

गलत इस्तेमाल कर करीब 22 हजार मतदाताओं के नाम सूची से हटा दिए गए, जिनमें 4 हजार नाम अकेले मुस्लिम समाज के हैं। उन्होंने मांग की कि इस साजिश की निष्पक्ष जांच हो और दोषी व्यक्तियों के खिलाफ एफआईआर दर्ज की जाए। साथ ही देश के कई राज्यों में 14 करोड़ वोटों की हेराफेरी का आरोप लगाते हुए चुनाव आयोग की भूमिका पर भी सवाल उठाए।

इंदौर-उज्जैन संभाग में करीब 45 फीसदी कम वर्षा के कारण बने हालात पर चिंता व्यक्त करते हुए शेखावत ने बदनावर को तुरंत सूखाग्रस्त घोषित करने की मांग की। उन्होंने कहा कि विधानसभा में इस मुद्दे को प्रमुखता से उठाकर किसानों के लिए विशेष राहत पैकेज की मांग करेंगे। साथ ही एमएसपी पर सोयाबीन खरीदी और फसल बीमा की बकाया राशि जल्द जारी करने की बात कही। 14 करोड़ की लागत से हुए बलवंती नदी के सौंदर्यीकरण पर सवाल उठाते हुए उन्होंने कहा कि नदी आज भी गंदे नाले जैसी है, कार्य की गुणवत्ता और खर्च की जांच होनी चाहिए। साथ ही ?पीएम टेक्सटाइल पार्क व नल-जल योजना निर्माण कार्यों और पाइपलाइन प्रोजेक्ट में भारी अनियमितताओं का आरोप लगाते हुए ग्रामीणों तक लाभ न पहुंचने की बात कही।

शेखावत ने कहा की सरकार हर माह 5 हजार करोड़ का कर्ज ले रही है, फिर भी धार जिले में जरूरी कार्यों के लिए बजट नहीं है। कई जगह एंबुलेंस में डीजल तक नहीं है, स्कूलों में शौचालयों का अभाव है और ट्रॉसफार्मर के लिए किसान 15-15 दिन परेशान हो रहे हैं। उन्होंने जनता और कार्यकर्ताओं से आह्वान किया कि यदि स्मार्ट मीटर को लेकर असंतोष है तो इसका खुलकर विरोध दर्ज कराएं।

पत्रकार वार्ता के दौरान नगर कांग्रेस अध्यक्ष मुकेश दोसी, विधायक प्रतिनिधि महेश पाटीदार, कैलाश गुप्ता, राजेंद्र जाट और आशीष शर्मा सहित पार्टी के कई प्रमुख पदाधिकारी उपस्थित रहे।

रतलाम रोड सामुदायिक भवन पर संयुक्त तत्वावधान में आंगन मिलन सेवा कार्यक्रम का भव्य आयोजन किया गया



खाचरोद/ मुरलीदास बैरागी/ दैनिक मालावा हेराल्ड। कार्यक्रम का वार्ड का आंगनवाड़ी कार्यकर्ताओं श्रीमती प्रांजलि,श्रीमती इंदिरा गुहार, श्रीमती साधना सैनी एवं श्रीमती नीलम गौतम द्वारा किया गया कार्यक्रम में मुख्य अतिथि विधायक तेज बहादुरसिंह चौहान मंडल अध्यक्ष श्रीमती मनीषा शर्मा पूर्व पार्षद एवं सेवा संकल्प अभियान के प्रभारी विनोद चतुर्वेदी वार्ड पार्षद राजेंद्र गोहर नारायण मंडावेलिया, श्रीमती रेखा सेन जगदीश चौहान राजू मकवाना* आदि गणमान्य जन उपस्थित हुए कार्यक्रम के दौरान प्रधानमंत्री मातृ वंदना योजना, पोषण आहार,किशोरी स्वच्छता एवं सेनेटरी नेपकिन के उपयोग के बारे में महिलाओं को जागरूक किया गया सम्मान समारोह कार्यक्रम में उत्कृष्ट कार्य करने वाली आंगनवाड़ी कार्यकर्ता एवं सहयिकाओं का माननीय विधायक जी द्वारा सम्मान किया गया। सम्मानित कार्यकर्ता/सहायिका श्रीमती प्रांजलिबालदे श्रीमती इंदिरा गोहर,श्रीमती साधना सैनी,श्रीमती नीलम गौतम, श्रीमती ललिता पांचवाल, श्रीमती कला मकवाना श्रीमती सावलिया परमार, श्रीमती मोना माली, श्रीमती सपना परमार, श्रीमती चेतना लहरी कार्यक्रम में परियोजना अधिकारी मनोज जाट द्वारा सभी अतिथियों का आभार व्यक्त किया गया।

प्रधानमंत्री आवास योजना से साकार हुआ पक्के घर का सपना

खण्डवा/ दैनिक मालवा हेराल्ड। खंडवा के जवाहरगंज वार्ड क्रमांक 44 निवासी एकनाथ पिता बाबूलाल भावसार की आर्थिक स्थिति पहले कमजोर थी। आर्थिक परेशानियों के कारण उनके पास अपना पक्का मकान नहीं था। परिवार के लिए सुरक्षित एवं स्थायी आवास का सपना लंबे समय से अधूरा था। प्रधानमंत्री आवास योजना से मिला सहारा वर्ष 2025इ26 में एकनाथ ने प्रधानमंत्री आवास योजना के अंतर्गत आवास के लिए आवेदन किया। आवेदन स्वीकृत होने के बाद शासन की ओर से उन्हें आवास निर्माण के लिए कुल 2.50 लाख रुपये की सहायता राशि अलग-अलग किश्तों में प्राप्त हुई। प्राप्त सहायता राशि का उपयोग उन्होंने आवास निर्माण में किया। शासन से मिली आर्थिक सहायता ने उन्हें अपना पक्का मकान बनाने में महत्वपूर्ण सहयोग प्रदान किया। अब साकार हुआ पक्के घर का सपना प्रधानमंत्री आवास योजना के माध्यम से आज एकनाथ के पास स्वयं का पक्का और सुरक्षित मकान है।

पीजी कॉलेज में पूर्व राज्यपाल एवं कुलगुरुओं का सम्मान समारोह आयोजित

छिन्दवाड़ा/ दैनिक मालवा हेराल्ड। प्रधानमंत्री कॉलेज ऑफ़ एक्सीलेंस, शासकीय स्वशासी स्नातकोत्तर महाविद्यालय छिंदवाड़ा में आज गरिमामय सम्मान समारोह का आयोजन किया गया। कार्यक्रम में महाविद्यालय परिवार द्वारा तीन विशिष्ट अतिथियों का शॉल, श्रीफल एवं स्मृति-चिह्न भेंट कर आत्मीय स्वागत एवं सम्मान किया गया।

कार्यक्रम में पूर्व राज्यपाल (छत्तीसगढ़ एवं मणिपुर), कुलाधिपति एवं महाविद्यालय की भूतपूर्व विद्यार्थी महामहिम सुश्री अनुसुइया उड्के का समाज सेवा, शिक्षा एवं अकादमिक क्षेत्र में दीर्घ एवं उल्लेखनीय योगदान के लिए सम्मान किया गया। इसी क्रम में राजा शंकर शाह विश्वविद्यालय छिंदवाड़ा के कुलगुरु प्रो. इंद्रप्रसाद त्रिपाठी का दीर्घ एवं उल्लेखनीय अकादमिक योगदान, ज्ञान-सृजन, शिक्षण एवं शोध के क्षेत्र में अमूल्य सेवाओं के लिए सम्मान किया गया। अवधेश प्रताप सिंह विश्वविद्यालय रीवा के कुलगुरु एवं प्रसिद्ध भौतिकविद् प्रो. राजेन्द्र कुमार कुडुरिया का दीर्घकालीन ज्ञान-साधना, शिक्षण, शोध एवं अकादमिक नेतृत्व के क्षेत्र में उल्लेखनीय योगदान के लिए आदर एवं कृतज्ञता व्यक्त करते हुए सम्मान किया गया।

कार्यक्रम से पहले पूर्व राज्यपाल सुश्री अनुसुइया उड्के, राजा शंकर शाह विश्वविद्यालय छिंदवाड़ा के कुलगुरु प्रो. इंद्रप्रसाद त्रिपाठी एवं अवधेश प्रताप सिंह विश्वविद्यालय रीवा के कुलगुरु प्रो. राजेन्द्र कुमार कुडुरिया ने महाविद्यालय के विज्ञान संकाय की समस्त प्रयोगशालाओं का निरीक्षण किया। इस दौरान प्राचार्य डॉ. अनिल जैन ने अतिथियों को लैब की सुविधाओं एवं व्यवस्थाओं की जानकारी दी। इसके बाद महाविद्यालय में अभिन्नन्दन कार्यक्रम आयोजित किया गया। कक्ष क्रमांक 37 में भारतीय ज्ञान परंपरा के अनुसार दीप प्रज्वलन कर ईश वंदना की गई।

सांची दूध उत्पादकों की बड़ी जीत, 12 करोड़ बोनस और 15 करोड़ लाभार्श मिला



देपालपुर/ अंकित भोला परमार/ दैनिक मालवा हेराल्ड। सांची दूध संघ से जुड़े दूध उत्पादकों को लंबे समय से लंबित 12 करोड़ बोनस एवं 15 करोड़ लाभार्श की राशि मिलने पर भारतीय किसान एवं मजदूर सेना ने इसे किसानों के संघर्ष की बड़ी जीत बताया है। अध्यक्ष बबलू जाधव ने कहा कि संगठन ने गांव-गांव अभियान चलाकर 150 से अधिक सांची डेयरियों से ज्ञापन दिलाए और किसानों की आवाज मजबूती से उठाई। इस अभियान में प्रदेश उपाध्यक्ष शैलेंद्र पटेल, प्रदेश सचिव चंदनसिंह बड़वाया, जिला अध्यक्ष प्रवीण ठाकुर एवं सुभाष राठौर सहित संगठन के पदाधिकारियों की महत्वपूर्ण भूमिका रही। जाधव ने कहा कि बोनस और लाभार्श किसानों का हक है, कोई खेरात नहीं। अब संगठन की दो प्रमुख मांगें बाकी हैं-दूध का भाव 12 प्रति फैट किया जाए और 5 प्रति लीटर बोनस की घोषणा को तत्काल लागू किया जाए। उन्होंने चेतावनी दी कि मांगें पूरी नहीं हुई तो सांची दूध संघ के खिलाफ पक्का मोर्चा लगाया जाएगा। किसानों के हक की लड़ाई अब और मजबूती से लड़ी जाएगी।

कलेक्टर श्रीमती सिंह ने जिला महिला अस्पताल का किया औचक निरीक्षण



बडवानी/ दैनिक मालवा हेराल्ड। कलेक्टर श्रीमती जयति सिंह ने रविवार को जिला महिला अस्पताल का औचक निरीक्षण किया। इस दौरान उन्होंने अस्पताल की स्वास्थ्य व्यवस्थाओं, वार्डों की साफ-सफाई और मरीजों को मिल रही चिकित्सीय सुविधाओं का अवलोकन

किया। निरीक्षण के दौरान कलेक्टर ने पोषण पुनर्वास केंद्र के चल रहे रैनोवेशन कार्य को जल्द से जल्द पूर्ण कर इसे समय पर हैंडओवर करने के निर्देश दिए। इसके साथ ही विशेष नवजात शिशु देखभाल इकाई वार्ड में भर्ती बच्चों को मिल रही स्वास्थ्य सुविधाओं की समीक्षा की। इस दौरान उन्होंने वर्तमान में भर्ती बच्चों की संख्या, उन्हें दी जा रही चिकित्सा व्यवस्थाओं की जानकारी प्राप्त की। जाधव ने कहा कि कार्यरत स्टाफ से विस्तार से चर्चा की। उन्होंने एएनसी एवं पीएनसी वार्ड सहित अस्पताल में भर्ती कुल मरीजों की संख्या की जानकारी प्राप्त करते हुए मरीजों को उच्च गुणवत्तापूर्ण उपचार उपलब्ध कराने के निर्देश दिए। कलेक्टर ने अस्पताल परिसर और वार्डों में साफ-सफाई बनाए रखने के निर्देश दिए, ताकि मरीजों और उनके परिजनों को किसी प्रकार की असुविधा न हो। निरीक्षण के दौरान मुख्य चिकित्सा एवं स्वास्थ्य अधिकारी तथा सिविल सर्जन सहित अन्य संबंधित स्वास्थ्य अधिकारी उपस्थित रहे।

जन्मदिवस पर समाजसेवी मनोज जाधव का सम्मान गणेश मित्र मंडल के सक्रिय कार्यकर्ता को श्री खाटू श्याम सेना ट्रस्ट ने पुष्पहार व बाबा श्याम का दुपट्टा पहनाकर दी शुभकामनाएं

अकोदिया/ अमर सिंह मेवाडा/ दैनिक मालवा हेराल्ड।गणेश मित्र मंडल के सक्रिय कार्यकर्ता एवं युवा समाजसेवी मनोज जाधव के जन्मदिवस के अवसर पर श्री खाटू श्याम सेना ट्रस्ट अकोदिया द्वारा उनका सम्मान किया गया। इस अवसर पर देवी मां के उपासक, पर्यावरण प्रेमी एवं श्री खाटू श्याम सेना ट्रस्ट के जिला अध्यक्ष डॉ. सुशील कुमार गेहलोत ने मनोज जाधव के प्रतिष्ठान पर पहुंचकर उन्हें पुष्पहार पहनाया तथा बाबा श्याम का दुपट्टा ओढ़ाकर सम्मानित किया। इसके बाद मिठाई खिलाकर जन्मदिवस की शुभकामनाएं प्रेषित की गई।

डॉ. सुशील कुमार गेहलोत ने कहा कि समाज में सकारात्मक कार्य करने वाले युवाओं एवं समाजसेवियों का सम्मान करना सामाजिक



जिम्मेदारी है। ऐसे सम्मान से समाजसेवा, पर्यावरण संरक्षण और धार्मिक सामाजिक गतिविधियों में सक्रिय भागीदारी करने वाले लोगों का उत्साह बढ़ता है।

उल्लेखनीय है कि डॉ. गेहलोत द्वारा लंबे समय से

समाज से वि.यो', पर्यावरण प्रेमियों तथा विभिन्न क्षेत्रों में सक्रिय लोगों का स्वागत एवं सम्मान किया जाता रहा है। धार्मिक एवं सामाजिक आयोजनों में भी उनकी संस्था की सक्रिय सहभागिता रहती है। नगर में आयोजित धार्मिक आयोजन, शोभायात्रा एवं रैलियों के दौरान पुष्पवर्षा कर मनोज जाधव को सम्मानित करते

डॉ. सुशील कुमार गेहलोत व अन्य।

श्रद्धालुओं और सहभागियों का स्वागत किया जाता है। वहीं विभिन्न अवसरों पर शीतल पेय, मिठाई एवं फलों का वितरण भी किया जाता है। इसके साथ ही धार्मिक एवं सामाजिक संस्थाओं के प्रमुखों तथा आयोजन से जुड़े पदाधिकारियों का पुष्पमाला एवं अंगवस्त्र भेंट कर सम्मान करने की परंपरा भी निभाई जाती है। ट्रस्ट द्वारा किए जा रहे इन प्रयासों का उद्देश्य समाज में सेवा, सद्भाव, पर्यावरण संरक्षण और धार्मिक-सामाजिक आवाक केन्द्र भी सवार्त को उन्नत करायो गेहे वहे प्रयतों है का उद्देश्य समाज में सेवा, सद्भाव, पर्यावरण संरक्षण और धार्मिक-सामाजिक समरसता की भावना को बढ़ावा देना है। मनोज जाधव के सम्मान के अवसर पर उपस्थित लोगों ने उन्हें जन्मदिवस की शुभकामनाएं देते हुए उनके उज्ज्वल भविष्य की कामना की ।



नपाध्यक्ष राजेंद्र अवाना एल्डरमेन गिरधारी लाल सोनी, पार्षद गौरव यादव,एसडीएम रंजना पाटीदार, तहसीलदार मधु नायक तथा सीएमओ सतीश मटसेनिया की गरिमामयी उपस्थिति में हुआ वर्षों की परेशानी मिनटों में हुई दूर,चेहरे पर खिली मुस्कान सेवा-सेतु कैप में ऐसे कई लाभार्थी पहुंचे जो पिछले कई वर्षों से आयुष्मान कार्ड बनवाने के लिए परेशान हो रहे थे पांच साल का इंतजार समाप्तनागदा निवासी अमरीन पिछले पांच वर्षों से आयुष्मान कार्ड के लिए भटक रही थीं कैप में उनका कार्ड तत्काल बन गया, जिस पर उन्होंने अपार प्रसन्नता व्यक्त की वय वंदना योजना (70+

आयुवर्ग)चरित्र नागरिक पारसमल जैन को वय वंदना योजना के तहत बिना किसी इंडाउर के आसानी से आयुष्मान कार्ड प्रदान किया गया तकनीकी समस्याओं का समाधान-शादाब खान तथा माता चंदा कुमावत व उनके बच्चों (याशिका और विवान) के कार्ड तकनीकी कारणों से रुके हुए थे शिविर में महज 2 मिनट में इनका समाधान कर कार्ड जारी कर दिए गए।

चौहान परिवार की तीन बेटियों को लाभ चोहान परिवार की तीन बेटियों-अंशिका कुंवर,प्रिया कुंवर और सृष्टि कुंवर का कार्ड लंबे समय से नहीं बन पा रहा था, जो आज

निराश्रितों को साधन संपन्न बनाना सेवा मेरा योगदान की सार्थकता पूर्व मंत्री पटेल

बडवानी/ दैनिक मालवा हेराल्ड। समाज में हर संपन्न व्यक्ति को वंचित वर्ग के लिए भी सदैव सहयोग की भावना मन में रखनी चाहिए। सेवा संकल्प अभियान में सेवा मेरा योगदान भी हमें यही सीख देता है कि हम समाज के लिए अपना क्या योगदान दे रहे हैं उस बातें नगर पालिका परिषद बडवानी द्वारा आशाग्राम ट्रस्ट द्वारा संचालित निराश्रित मनोरोगियों के आशा आश्रय गृह में मनोरोगियों के किचन के लिए बर्तन भेंट करते हुए पूर्व मंत्री श्री प्रेम सिंह पटेल एवं नगर पालिका अध्यक्ष श्रीमती अश्विनी निक्कु चौहान ने कहीं। श्रीमती चौहान ने कहा मनोरोगियों एवं दिव्यांगता की श्रेणी में मूक बधिर बालिकाओं की अपनी अलग ही सुजनात्मक दुनिया है। हमने सेवा संकल्प की श्रेणी में दोनों स्थानों पर सेवा मेरा योगदान के तहत समय व्यतीत करने के साथ-साथ समावेशी गतिविधियों की ओर कदम बढ़ाया है। वंचित वर्ग के लिए सदैव कार्य करेंगे। जिसके तहत आज आशा आश्रय गृह में जरूरत अनुसार किचन हेतु बर्तन उपलब्ध

कराए हैं। उन्होंने बताया आशा आश्रय गृह के सभी रहवाशियों का माला पहनाकर एवं श्रीफल भेंट कर सम्मान किया तथा फल वितरित किए गए । ट्रस्ट के सचिव डॉ पहाड़िया ने बताया पांच वर्ष में साठ मनोरोगी यहां से ठीक होकर अपने मूल परिवार में आज सामान्य जीवन जी रहे हैं।इस दौरान अपर कलेक्टर श्रीमती हेमलता सोलंकी डाबर, तहसीलदार श्री राहुल सोलंकी श्री निक्कु चौहान ,मुख्य नगर पालिका अधिकारी श्रीमती सोनाली शर्मा, सामाजिक सुरक्षा विस्तार अधिकारी श्री अंकित बघेल एवं श्री विशाल बडोले ट्रस्ट के सचिव डॉ चक्रेश पहाड़िया नगर मंडल अध्यक्ष श्री शुभम पांडे समाजसेवी श्री कृष्णा गोले, वार्ड नंबर 3 के पार्षद मोहन बामनिया शिवकुंज योगा रूप के श्री दलजीत सिंह श्री संदीप मुकारती श्री संतोष मुलेवा , ट्रस्ट के श्री सचिन दुबे, श्री मणिराम नायडू, श्री समाधान पाटील श्रीमती साधना भावसार श्री रमेश यादव सहित बड़ी संख्या में लोगों उपस्थित थे।

सेवा संकल्प अभियान के तहत वृद्धजन-जनप्रतिनिधि संवाद कार्यक्रम आयोजित

खण्डवा/ दैनिक मालवा हेराल्ड। सेवा संकल्प अभियान के तहत शांतिनिकेतन आश्रम ऑर्काशेडर में वृद्धजन संवाद कार्यक्रम का आयोजन किया गया। कार्यक्रम के दौरान स्वास्थ्य परीक्षण शिविर भी आयोजित किया गया, जिसमें वृद्धाश्रम में निवासरत सभी वृद्धजनों का स्वास्थ्य परीक्षण किया

गया। साथ ही राष्ट्रीय वयोश्री योजना के अंतर्गत भारतीय कृत्रिम अंग निर्माण निगम (एलिविम्) द्वारा शिविर आयोजित कर वृद्धजनों की आवश्यकताओं का परीक्षण किया गया। सामाजिक न्याय विभाग द्वारा बताया गया की शिविर में 22 वृद्धजनों को विभिन्न सहायक उपकरण प्रदान किए जाने हेतु

चिन्हित किया गया। कार्यक्रम में वृद्धाश्रम में निवासरत सभी वृद्धजनों का शाल-श्रीफल भेंट कर सम्मान किया गया। इस दौरान कार्यक्रम में नशे से दूर रहने तथा स्वस्थ एवं नशामुक्त समाज के निर्माण के लिए नशामुक्ति की शपथ दिलाई। कार्यक्रम में नगर परिषद अध्यक्ष श्रीमती मनीषा पहिरा आदी।

देपालपुर/ अंकित भोला परमार/ दैनिक मालवा हेराल्ड।

नगर की सामाजिक संस्था युवा जन जाग्रति मंच द्वारा अपना 21वां स्थापना दिवस अनोखे अंदाज में 'शुभ प्रभात देपालपुर' कार्यक्रम के रूप में मनाया गया। कार्यक्रम का शुभारंभ नगर परिषद अध्यक्ष प्रतिनिधि महेशपुरी गोस्वामी, पूर्व अध्यक्ष मजीद खान, संतोष ठाकुर, पप्पू यादव सहित गणमान्य नागरिकों ने भारत माता के चित्र पर माल्यार्पण एवं दीप प्रज्वलित कर किया।

कार्यक्रम में नगर के प्रबुद्ध नागरिकों ने उपस्थित होकर संस्था की सामाजिक



गतिविधियों और अपने अनुभवों को साझा किया। इस दौरान अंतरराष्ट्रीय पहलवान माहि

राठौर, देवी अहिल्या विश्वविद्यालय कर्मचारी संघ अध्यक्ष चैनसिंह यादव, संतोष ठाकुर, सोहनलाल परमार, सूरज सिंह बोड़ाना, मोहनलाल राठौर, बालाराम सेन, सुष्पमा दुबे, संतोष जोशी, सुदर्शन जैन, बृजमोहन व्यास, अनिल धाकड़, मिथरिश जोशी, प्रकाश धाकड़, इंद्रसिंह राठौर, बद्रीलाल पथरिया, अंशुमन व्यास, गाँवदे सिंदुरिया, केदार पंड्या सहित अन्य नागरिकों ने अपने विचार रखे।

कार्यक्रम में नगर के सम्माननीय नागरिकों के साथ व्यापारी, प्रेस-मीडिया प्रतिनिधि एवं

विभिन्न सामाजिक संगठनों के पदाधिकारी और सदस्य मौजूद रहे। संस्था की ओर से सभी अतिथियों का स्वागत अध्यक्ष राजेश बड़वाया द्वारा मोती की माला पहनाकर किया गया।

कार्यक्रम को सफल बनाने में सुरेश नागर, मुकेश सेन, दिलीप गुरु, गजेंद्र जाट, सजय मकवाना, कमल चंदेल, मानसिंह नकुम, दिनेश यादव, विनोद परमार एवं प्रियेश दुबे सहित संस्था के कार्यकर्ताओं की सक्रिय भूमिका रही। कार्यक्रम का संचालन अनिल सोलंकी ने किया,और आभार शुभम गुप्ता ने व्यक्त किया।

मालिक, प्रकाशक, मुद्रक विजय शर्मा द्वारा 44, बहादुरगंज, उज्जैन (म.प्र.) से प्रकाशित एवं भगवती ऑफसेट 44, बहादुरगंज, उज्जैन (म.प्र.) से मुद्रित। संपादक - विजय शर्मा, मो.नं. 94250-22499, फोन 0734-2553435 प्रधान संपादक : शुभम तापकार (सभी वाद विवाद का न्याय क्षेत्र उज्जैन रहेगा)

शाही मस्जिद में गिरी मीनार का हिस्सा हटाया, अब धीरे-धीरे खुलेगा बाजार

कलेक्टर ने कहा मलबा हटाने का काम जारी, छत्री चौक पर प्रवेश प्रतिबंधित रहेगा- बाकी बाजार चरणबद्ध तरीके से खोला जाएगा

उज्जैन/दैनिक मालवा हेराल्ड। शाही मस्जिद के अंदर गिरी मीनार के हिस्से को हटाने का काम लगभग पूरा हो गया है। मीनार का अधिकांश हिस्सा काटकर बाहर निकाल दिया गया है, जबकि कुछ मलबा अभी बचा है, जिसे रविवार सुबह हटाया जा रहा था। मीनार का हिस्सा गिरने से मस्जिद की छत और कुछ अन्य हिस्से भी क्षतिग्रस्त हुए हैं। वरिष्ठ अधिकारियों का कहना है कि मलबा हटाने के बाद बाजार चरणबद्ध तरीके से खोला जाएगा।

उल्लेखनीय है की शाही मस्जिद की मीनार



हटाने के दौरान गुरुवार को उसका एक हिस्सा मस्जिद के अंदर ही गिर गया था। इसके बाद

सुरक्षा कारणों से क्षेत्र में आवाजाही और बाजार बंद रखा गया। पुलिस ने छत्री चौक के आसपास के रास्तों पर बैरिकेडिंग कर प्रवेश रोक दिया था। लखेरवाड़ी, पटनी बाजार, मिर्जा नईम बेग मार्ग और ढाबा रोड की ओर से भी प्रवेश प्रतिबंधित रहा। शनिवार को भारत-पाकिस्तान क्रिकेट मैच के चलते सुरक्षा व्यवस्था और कड़ी रखी गई।

अब स्थिति सामान्य होने पर प्रशासन ने बाजार को धीरे-धीरे खोलने की तैयारी शुरू कर दी है। कलेक्टर रौशन कुमार

सिंह ने बताया कि चरणबद्ध तरीके से आसपास का पूरा बाजार खोल दिया जाएगा। हालांकि छत्री चौक पर चारों तरफ से प्रवेश फिलहाल प्रतिबंधित रहेगा।

बाकी मीनार और निर्माण भी हटेंगे- प्रशासन अब शाही मस्जिद की बची हुई मीनार के हिस्से को भी धीरे-धीरे हटाएगा। इसके साथ ही मास्टर प्लान के अनुसार प्रभावित निर्माण हटाने की कार्रवाई आगे बढ़ेगी। यह प्रक्रिया तत्काल पूरी नहीं होगी। मस्जिद के क्षतिग्रस्त हिस्से की मरम्मत में भी समय लगने की संभावना है। प्रशासन का फोकस फिलहाल सुरक्षित तरीके से मलबा हटाने और क्षेत्र में सामान्य आवाजाही बहाल करने पर है।

गोली मारकर हत्या करने वाले आरोपी को उम्रकैद

उज्जैन/ दैनिक मालवा हेराल्ड। डीमार्ट के पीछे पैसे के लेनदेन को लेकर हुए विवाद में युवक लखन राठौर को सिर में गोली मारकर हत्या करने वाले आरोपी रवि उर्फ शुभम सिसोदिया को न्यायालय ने आजीवन कारावास की सजा सुनाई है। विशेष न्यायाधीश एससी-एसटी एक्ट अरविंद प्रताप सिंह चौहान की अदालत ने आरोपी को हत्या के मामले में उम्रकैद के साथ ही आयुध अधिनियम की धाराओं में भी सजा सुनाई। अभियोजन के अनुसार घटना 3 मार्च 2022 की सुबह की है। पैसों के लेनदेन को लेकर आरोपी रवि उर्फ शुभम और लखन राठौर के बीच विवाद हुआ था। लखन अपने भाई के साथ मोटरसाइकिल से डीमार्ट के पीछे केशव मेंस पार्लर के सामने पहुंचा था। इसी दौरान आरोपी ने गाली-गलौज करते हुए पिस्टल निकाली और लखन के सिर में पीछे से गोली मार दी। गंभीर हालत में उसे अस्पताल ले जाया गया, जहां उपचार के दौरान उसकी मौत हो गई। मामले में नाइज़िरी पुलिस ने हत्या, गाली-गलौज, एससी-एसटी एक्ट और आयुध अधिनियम के तहत प्रकरण दर्ज कर जांच की। पुलिस ने आरोपी को गिरफ्तार कर उसकी निशानदेही पर देशी पिस्टल बरामद की थी। विवेचना पूरी होने के बाद न्यायालय में अभियोग-पत्र प्रस्तुत किया गया। न्यायालय ने आरोपी रवि उर्फ शुभम सिसोदिया (32), निवासी मालनवासा, उज्जैन को धारा 302 भादवि में आजीवन कारावास, आयुध अधिनियम की धारा 25(1-ख)(क) में 3 वर्ष तथा धारा 27(1) में 3 वर्ष के कारावास की सजा सुनाई। साथ ही कुल 7 हजार रुपये अर्बुदंड भी लगाया गया। अभियोजन की ओर से विशेष लोक अभियोजक ईश्वर सिंह केलकर ने न्यायालय के समक्ष प्रभावी तर्क प्रस्तुत किए।

पुजारी की लापता मां का शिश्रा नदी से मिला शव

उज्जैन/दैनिक मालवा हेराल्ड। महिदपुर के पुजारी की मां शनिवार सुबह लापता हो गई थी शाम को शिश्रा नदी से शव मिलना सामने आया। रविवार सुबह पुलिस ने पोस्टमार्टम कराया है। महिदपुर थाना पुलिस ने बताया कि शनिवार शाम 4 बजे के लगभग गंगावाड़ी के पास शिश्रा नदी से एक महिला की लाश बरामद की गई थी। महिला की पहचान के लिए आसपास के लोगों से जानकारी ली गई तो पता चला कि पुष्पाबाई पति भेरूलाल 75 साल निवासी तिलक पथ की रहने वाली है। परिजन सूचना मिलने पर अस्पताल पहुंचे महिला की पहचान महिदपुर स्थित मंदिर के पुजारी पुत्र द्वारा की गई। पुत्र भूपेंद्र ने बताया कि मां का दिमागी संतुलन ठीक नहीं था वह सुबह से लापता थी परिवार तलाश कर रहा था। पुलिस के अनुसार मामले में पोस्टमार्टम कराया गया है जांच के बाद ही सामने आएगा कि घटना हादसा है या आत्महत्या पुलिस परिजनों के बयान दर्ज कर क्षेत्र में लगे सीसीटीवी कैमरो के फुटेज देखेगी।

खाना खाने के बाद महिला ने लगाई फांसी

उज्जैन/दैनिक मालवा हेराल्ड। रात में पति के साथ खाना खाने के बाद पत्नी ने कमरे में जाकर फांसी लगा ली। बच्चा रोने लगा तो सास कमरे में पहुंची। बहु रस्सी के फंदे पर लटकी हुई थी।

मामला चंदा मण्णल थाना क्षेत्र के ग्राम आकासोदा का है। रात में रोशनी पति सूरज बैरागी 25 साल को मृत अवस्था में अस्पताल लाया गया था। रविवार सुबह पोस्टमार्टम के दौरान पति ने बताया कि वह होटल ओम साईं में काम करता है। नाइट ड्यूटी पर जाने से पहले पत्नी रोशनी के साथ खाना खाया था उसे वक्त तक सब कुछ ठीक था कोई वाद विवाद भी नहीं हुआ था। खाना खाने के बाद रोशनी कमरे में चली गई थी और वह ड्यूटी जाने के लिए निकल गया था। कुछ देर बाद बच्चा रोने लगा तो मां पवित्रबाई रोशनी के कमरे में पहुंची जहां वह रस्सी के फंदे पर लटकी हुई थी। परिजनों ने बताया कि डेढ़ साल पहले ही शादी हुई थी रोशनी का ससुराल बीना में है। उसने फांसी क्यों लगाई यह पता नहीं है। पुलिस के अनुसार मामला जांच में दिया गया है।

इधर बाड़े में लटका मिला वृद्ध

फांसी लगाकर आत्महत्या करने का दूसरा मामला ग्राम हरसोदन से सामने आया। 80 साल के हजारीलाल पिता भवरलाल ने घर के पीछे बाड़े में रात को फांसी लगा ली थी। सुबह घटना का पता उसे वक्त चला जब परिजन नींद से जागे। पंवासा थाना पुलिस के अनुसार प्रारंभिक जांच में सामने आया है कि मृतक का दिमागी संतुलन ठीक नहीं था और वृद्धावस्था की बीमारी से भी परेशान चल रहा था।

कैंसर के लक्षणों को अनदेखा न करें, समय पर जांच और इलाज ही बचाव का मूलमंत्र



उज्जैन/ दैनिक मालवा हेराल्ड। लायन्स क्लब उज्जयिनी द्वारा आयोजित सेवा सप्ताह के दूसरे दिन ऋषि नगर स्थित सरस्वती महाविद्यालय सभागार में बाल एवं वयस्क कैंसर जागरूकता कार्यक्रम संपन्न हुआ। इस दौरान आरडी गाडी मेडिकल कॉलेज के असिस्टेंट प्रोफेसर एवं मेडिकल ऑन्कोलॉजिस्ट डॉ. प्रियेश दुवे ने विद्यार्थियों, शिक्षकों और नागरिकों को कैंसर के प्रारंभिक लक्षणों, समय पर जांच, बचाव और आधुनिक उपचार पद्धतियों से अवगत कराया। इस आयोजन का मुख्य उद्देश्य समाज में विशेषकर बाल कैंसर को लेकर जागरूकता बढ़ाना था।

कार्यक्रम में डॉ. प्रियेश दुवे ने जोर देकर कहा कि कैंसर के संभावित लक्षणों को कभी नजरअंदाज नहीं

करना चाहिए, समय पर चिकित्सकीय परामर्श और आवश्यक जांच कराना अत्यंत महत्वपूर्ण है। उन्होंने बताया कि वर्तमान में ब्रेस्ट, लंग और पेट के कैंसर सहित ल्यूकेमिया, मायलोमा और लिम्फोमा जैसे रक्त कैंसर के उपचार में आधुनिक चिकित्सा पद्धतियों का उपयोग किया जा रहा है।

उज्जैन में कैंसर उपचार की उपलब्धियों पर बात करते हुए डॉ. दुवे ने बताया कि इंटेंसिव कीमोथेरेपी के माध्यम से ल्यूकेमिया के मरीज को रमिशन अवस्था तक पहुंचाने में सफलता मिली है। इसके अलावा वे उस विशेषज्ञ टीम का हिस्सा भी रहे हैं जिसने उज्जैन में पहला ऑटोलोगस बोन मैरो ट्रांसप्लांट किया।

शाही मस्जिद के नाम पर चंदा वसूली का खेल... कमेटी ने कहा, झांसे में न आएँ

सोशल मीडिया पर बारकोड वायरल कर मांगा जा रहा पैसा, घर-घर पहुंचकर केश लेने की भी शिकायत

उज्जैन/दैनिक मालवा हेराल्ड। शाही मस्जिद के सड़क चौड़ीकरण की जद में आए हिस्से को हटाने के विवाद के बीच अब इसके नाम पर चंदा वसूली का मामला सामने आया है। सोशल मीडिया पर कुछ बारकोड वायरल कर लोगों से मस्जिद दोबारा बनवाने के नाम पर आर्थिक मदद मांगी जा रही है। इतना ही नहीं, कुछ लोगों के घर-घर जाकर नकद राशि लेने की बात भी सामने आई है। मामला मस्जिद कमेटी तक पहुंचा तो कमेटी ने वीडियो जारी कर इसे फर्जीवाड़ा बताते हुए लोगों से ऐसे किसी भी बारकोड पर पैसा नहीं भेजने की अपील की।

मस्जिद कमेटी के सदर अब्दुल मन्नान ने साफ कहा कि कमेटी की ओर से किसी भी व्यक्ति से चंदा नहीं मांगा गया है और न ही अब तक किसी से एक रुपए की आर्थिक मदद ली गई है। उन्होंने कहा कि यदि कोई व्यक्ति मदद करना चाहता है तो पहले कमेटी या इमाम साहब से संपर्क कर पूरी जानकारी ले। सोशल मीडिया पर वायरल बारकोड की पुष्टि किए बिना पैसा जमा नहीं करें।

मुश्किल की घड़ी में ठगी का दांव- शाही मस्जिद का सड़क से जुड़ा करीब साढ़े तीन फीट हिस्सा सड़क चौड़ीकरण की जद में

आया है। इसे हटाने की कार्रवाई के दौरान 28 सितंबर को शहर में तनाव और पथराव की स्थिति बन गई थी। पुलिस को लाठीचार्ज और आंसू गैस का इस्तेमाल कर हालात संभालने पड़े थे। घटना के बाद से शहर में सुरक्षा व्यवस्था कड़ी है। इसी संवेदनशील माहौल का फायदा उठाने की कोशिश अब ठगों ने शुरू कर दी है। सोशल मीडिया पर संदेश प्रसारित कर कहा जा रहा है कि मस्जिद को दोबारा बनवाने के लिए चंदा दिया जाए। इसके साथ बारकोड भी भेजे जा रहे हैं। कमेटी को कुछ इसकी जानकारी मिली तो उसने तत्काल लोगों को सावधान किया। सदर अब्दुल मन्नान ने कहा कि दुख की इस घड़ी में भी कुछ लोग फायदा उठाने की कोशिश कर रहे हैं। लोगों को भावनाओं में आकर पैसा देने के बजाय पहले यह सुनिश्चित करना चाहिए कि राशि वास्तव में कमेटी तक पहुंच रही है या नहीं।

12 से 15 मीटर हो रही सड़क- आगामी सिंहस्थ की तैयारियों के तहत कंठाल चौराहे से गोपाल मंदिर तक सड़क चौड़ी की जा रही है। वर्तमान में करीब 12 मीटर चौड़ी सड़क को 15 मीटर किया जाना है। इसी मार्ग पर छत्री काक स्थित शाही मस्जिद का कुछ हिस्सा सड़क चौड़ीकरण की जद में आया है। नगर

निगम ने अगस्त में संबंधित पक्षों को नोटिस जारी किए थे। 1 सितंबर को अंतिम आदेश जारी किया गया। कार्रवाई के खिलाफ मस्जिद प्रबंधन ने हाईकोर्ट का दरवाजा खटखटाया, लेकिन याचिकाएं खारिज होने के बाद प्रभावित हिस्सा हटाने की प्रक्रिया शुरू हुई।

रात में फोर्स पहुंची, सुबह पथराव- 27 सितंबर की रात करीब 11 बजे मस्जिद परिसर के आसपास बड़ी संख्या में पुलिस बल तैनात किया गया था। शहर में फ्लेग मार्च भी निकाला गया। रात करीब 12 बजे मुस्लिम समाज के लोग मस्जिद के पास जुटने लगे। पुलिस और प्रशासन की समझाइश के बाद वे रात में ही वापस लौट गए। 28 सितंबर की सुबह करीब 9 बजे फिर बड़ी संख्या में लोग जमा हुए। इसी दौरान पथराव शुरू हो गया। पुलिस ने आंसू गैस के गोले छोड़े और लाठीचार्ज कर स्थिति नियंत्रित की। इसके बाद मुस्लिम समाज और मस्जिद कमेटी से जुड़े लोगों ने सड़क चौड़ीकरण की जद में आए हिस्से को स्वयं हटाने की प्रक्रिया शुरू की।

40 लोग दो शिफ्ट में जुटे, आधा हिस्सा ही हटा- प्रभावित हिस्से को हटाने का काम अब मुस्लिम समाज के करीब 40 लोग दो शिफ्ट में कर रहे हैं। अब तक करीब 50

प्रतिशत हिस्सा हटाया जा चुका है। काम की गति को देखते हुए बाकी हिस्सा हटाने में अभी कुछ दिन और लग सकते हैं।

उपद्रव में 8 एफआईआर, 34 आरोपी, 24 गिरफ्तार- 28 सितंबर के उपद्रव के मामले में पुलिस ने आठ एफआईआर दर्ज की हैं। इनमें 34 लोगों को आरोपी बनाया गया है, जबकि 24 की गिरफ्तारी हो चुकी है। पुलिस सीसीटीवी फुटेज और सोशल मीडिया की लगातार निगरानी कर रही है। पथराव, भड़काऊ संदेश प्रसारित करने और उपद्रव में शामिल लोगों की भूमिका की जांच की जा रही है।

पुलिस अब तक 100 से ज्यादा वायरल कंटेंट ब्लॉक करवा चुकी है। आरोपियों में संलिप्तता सामने आने पर संबंधित मामलों में उसकी जमानत निरस्त करने की कार्रवाई भी की जाएगी।

कमेटी की अपील- शाही मस्जिद के नाम पर सोशल मीडिया पर वायरल किसी भी बारकोड या संदेश पर बिना पुष्टि पैसा नहीं भेजें। आर्थिक मदद करना चाहते हैं तो पहले मस्जिद कमेटी या इमाम से संपर्क कर जानकारी लें।

आंगन मिलन सेवा कार्यक्रम आयोजित,पोषण आहार, स्वास्थ्य जांच और पौधारोपण पर दिया जोर

उज्जैन/दैनिक मालवा हेराल्ड। महिला एवं बाल विकास विभाग, जिला उज्जैन द्वारा सेवा संकल्प अभियान के अंतर्गत आंगन मिलन सेवा का आयोजन किया गया। कार्यक्रम में मुख्य अतिथि के रूप में सभापति, नगर निगम श्रीमती कलावती यादव ने भाग लिया और आंगनवाड़ी कार्यकर्ताओं, महिलाओं तथा बच्चों को प्रोत्साहित किया। इस अवसर पर विधायक श्री

अनिल जैन कालुहेड़ा,श्री संजय अग्रवाल, श्री जगदीश पांचाल एवं अन्य जनप्रतिनिधि उपस्थित रहे।

यह आयोजन 26 सितंबर से 5 अक्टूबर 2026 तक चल रहे अभियान का हिस्सा है, जिसका मूल संदेश है कि आंगनवाड़ी केंद्र पोषण, शिक्षा और सम्मान का केंद्र बने।

कार्यक्रम का शुभारंभ माँ सरस्वती के चित्र के समक्ष दीप



प्रज्वलन और पूजन के साथ हुआ। स्थल पर आकर्षक रोंगोली बनाई गई, जिसमें आईसीडीएस तथा आंगन मिलन का संदेश अंकित था। आंगनवाड़ी कार्यकर्ता और पर्वयंत्रिकाएं पारंपरिक परिधान में उपस्थित रही।

कार्यक्रम की मुख्य आकर्षण पोषण प्रदर्शनी रही। थालियों में अंकुरित दालें, मूंग, चना, लह्

ठेकुआ, सत्तू, खिचड़ी, ककड़ी-टमाटर से सजी सलाद और अन्य स्थानीय पौष्टिक व्यंजन प्रदर्शित किए गए। प्रत्येक व्यंजन के साथ नामपट्टिका लगाई गई, ताकि माताएं और अभिभावक

कम लागत में घर पर बनने वाले पोषक आहार को समझ सकें। प्रदर्शनी का उद्देश्य संतुलित आहार, साफ अनाज और बच्चों, गर्भवती व थात्री महिलाओं के पोषण के प्रति जागरूकता बढ़ाना रहा। श्रीमती कलावती यादव ने प्रदर्शनी का अवलोकन किया और स्थानीय पौष्टिक व्यंजनों की सराहना की।

इस अवसर पर लाभार्थियों की

रक्तचाप जांच भी की गई। मंच से आंगन मिलन सेवा की रूपरेखा बताते हुए कहा गया कि शिक्षा से उज्ज्वल भविष्य, सेवा से सुरक्षित समाज और सम्मान से समृद्ध प्रदेश का लक्ष्य आंगनवाड़ी केंद्रों के माध्यम से पूरा किया जाएगा। मुख्य अतिथि सहित अतिथियों का अंगवस्त्रम और माल्यार्पण से सम्मान किया गया। बच्चे और महिलाएं बड़ी संख्या में उपस्थित रहीं। सांस्कृतिक प्रस्तुति में फूलों की मालाओं से सजे बच्चों ने भाग लिया।

समारोह के दौरान पौधरोपण भी किया गया। महिला एवं बाल विकास विभाग के बैनर पर मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव और महिला एवं बाल विकास मंत्री श्रीमती निर्मला भूषिया के चित्र अंकित थे।

आयोजन किया गया। शिविर में तहसील अंतर्गत विभिन्न विभागों द्वारा जनहितकारी योजनाओं एवं सेवाओं की जानकारी देने के लिए प्रदर्शनी लगाई गई। शिविर में सिंचाई विभाग द्वारा ड्रिप सिस्टम, स्वास्थ्य विभाग द्वारा निःशुल्क स्वास्थ्य शिविर, महिला एवं बाल विकास विभाग द्वारा लाड़ली लक्ष्मी योजना एवं

आंगनवाड़ी के पौष्टिक आहार, पशुपालन विभाग एवं पशु चिकित्सालय द्वारा पशुधन संरक्षण तथा राजस्व विभाग द्वारा किसान सम्मान निधि एवं अन्य कृषक कल्याणकारी योजनाओं की जानकारी दी गई।

नगर परिषद द्वारा नवीन लन कनेक्शन, अत्येष्टि एवं संबल सहायता, नामांतरण, पेंशन, पीएम आवास सहित विभिन्न

योजनाओं की जानकारी उपलब्ध कराई गई। इसके साथ ही विभिन्न स्वरोजगार योजनाओं से लाभान्वित हितग्राहियों ने अपने उत्पादों के स्टॉल ली जाए। शिविर में नागरिकों ने बड़-चड़कर सहभागिता की। इस दौरान कुल 319 आवेदन प्राप्त हुए, जिनमें से 278 आवेदनों को स्वीकृति प्रदान की गई।

सेवा संकल्प अभियान के अंतर्गत नगर निगम के सभी जोन में आयोजित हुए ‘सेवा सेतु’ शिविर

उज्जैन/दैनिक मालवा

हेराल्ड। सेवा संकल्प अभियान के अंतर्गत नगर निगम उज्जैन द्वारा रविवार को शहर के सभी जोन में ‘सेवा सेतु’ शिविरों का आयोजन किया गया। शिविरों के



को एक ही स्थान पर विभिन्न शासकीय एवं नगर निगम सेवाओं की सुविधा उपलब्ध कराना रहा। शिविरों में संपत्तिकर, जलकर, जन्म-मृत्यु प्रमाण-पत्र, भवन संबंधी कार्य, स्वच्छता, पेयजल, स्ट्रीट लाइट, सड़क सहित नगर निगम से संबंधित विभिन्न विषयों पर नागरिकों को जानकारी एवं मार्गदर्शन प्रदान किया गया। संबंधित विभागों के अधिकारियों एवं कर्मचारियों ने नागरिकों की समस्याएं सुनीं तथा पात्र प्रकरणों में आवश्यक कार्रवाई करते हुए तत्काल

निराकरण सुनिश्चित किया।

जोन क्रमांक 01, पिपलीनाका में आयोजित सेवा सेतु शिविर में निगम अध्यक्ष श्रीमती कलावती यादव की अध्यक्षता तथा सांसद श्री अनिल फिरोजिया, राज्यसभा सांसद श्री उमेशनाथ जी महाराज, उज्जैन विधायक श्री अनिल जैन कालुहेड़ा, हाउसिंग बोर्ड अध्यक्ष श्री ओम जैन, पाट्य पुस्तक निगम अध्यक्ष श्री सौभाग सिंह एवं नगर अध्यक्ष श्री संजय अग्रवाल सहित जनप्रतिनिधियों एवं अधिकारियों की उपस्थिति रही। शिविर में उपस्थित अतिथियों द्वारा पात्रता पचीं, पेंशन योजना, वृद्धावस्था एवं कल्याणी पेंशन, संबल योजना, मजदूर डायरी, लाड़ली लक्ष्मी योजना सहित विभिन्न योजनाओं के पात्र हितग्राहियों को स्थल पर ही लाभ प्रदान किया गया।

उज्जैन में पेप्सिको तैयार कर रही कर्ड फ्लेवर... 800 लोग कर रहे फैक्ट्री में काम

1266 करोड़ के निवेश से विक्रम उद्योगपुरी में 22 एकड़ में बना देश का दूसरा फ्लेवर कंसंट्रेट प्लांट

उज्जैन/ दैनिक मालवा हेराल्ड। विक्रम उद्योगपुरी में पेप्सिको का अत्याधुनिक फ्लेवर कंसंट्रेट प्लांट अब उत्पादन में आ चुका है। करीब 1266 करोड़ रुपए के निवेश से 22 एकड़ में स्थापित इस संयंत्र में नियमित रूप से निर्माण कार्य चल रहा है। देश के इस दूसरे फ्लेवर कंसंट्रेट प्लांट से करीब 800 लोगों को रोजगार मिल रहा है।

एमपीआईडीसी के निदेशक राजेश राठौड़ ने बताया कि संयंत्र में पेप्सिको के प्रमुख उत्पादों के लिए फ्लेवर कंसंट्रेट तैयार किए जा रहे हैं। इनमें पेप्सी, माउंटेन ड्र्यू, ट्रापिकाना, लेज, गैटोरेड और

क्रेकर जैसे ब्रांड शामिल हैं। अत्याधुनिक तकनीक और उच्च स्तर के स्वचालन से लेस यह संयंत्र पेप्सिको की उत्पादन श्रृंखला में उज्जैन को महत्वपूर्ण स्थान दे रहा है।

22 एकड़ में खड़ा हुआ बड़ा औद्योगिक प्रोजेक्ट- श्री राठौड़ ने बताया कि पेप्सिको की इस परियोजना पर करीब दो वर्ष पहले काम शुरू हुआ था। निर्माण पूरा होने के बाद संयंत्र में उत्पादन शुरू हो चुका है। कंपनी के लिए यह देश का दूसरा और दुनिया का नौवां अत्याधुनिक फ्लेवर कंसंट्रेट संयंत्र बताया गया है।

32 जिलों से खरीदे जा रहे आलू- पेप्सिको की

लेज चिप्स के लिए मध्यप्रदेश से भी बड़ी मात्रा में आलू की खरीदी की जा रही है। कंपनी के अनुसार हर वर्ष करीब 40 हजार टन आलू प्रदेश के 32 जिलों से खरीदे जाएंगे। इससे उज्जैन में स्थापित इस फैक्ट्री का जुड़ाव प्रदेश के कृषि क्षेत्र से भी बनेगा।

उद्योगपुरी में निवेश और रोजगार का नया केंद्र- उन्होंने यह भी बताया कि फ्लेवर कंसंट्रेट प्लांट के शुरू होने से विक्रम उद्योगपुरी में बड़े निवेश के साथ रोजगार का नया आधार तैयार हुआ है। करीब 800 लोगों को प्रत्यक्ष रोजगार मिलने के साथ स्थानीय स्तर पर औद्योगिक गतिविधियों को गति मिली है।

चौड़ीकरण में प्रभावित 53 परिवारों को पंवासा में भूखंड

उज्जैन/दैनिक मालवा हेराल्ड। सिंहस्थ की तैयारियों के तहत दो तालाब (शिंदे नरसिंग होम) से शांति नगर मुख्य मार्ग (महावीर मार्ग) तक प्रस्तावित सड़क चौड़ीकरण से प्रभावित 53 परिवारों के पुनर्वास की प्रक्रिया आगे बढ़ी है। शनिवार को नगर निगम मुख्यालय में लॉटरी के जरिए सभापित परिवारों को पंवासा स्थित इंडब्ल्यूएस कॉलोनी में भूखंड आवंटित किए गए। नगर निगम सभागृह में महापौर मुकेश टटवाल की मौजूदगी में लॉटरी निकाली गई। प्रक्रिया के तहत प्रत्येक परिवार को भूखंड आवंटित किया गया। इसके बाद परिवारों को पंवासा इंडब्ल्यूएस कॉलोनी का निरीक्षण भी कराया जाएगा, ताकि वे वहां उपलब्ध आवासीय व्यवस्था और सुविधाओं को देख सकें। महापौर टटवाल ने कहा कि सिंहस्थ और शहर के विकास के लिए परिवारों ने अपने मकान देने पर सहमति दी है। नगर निगम उनके पुनर्वास और सुविधाओं का ध्यान रखेगा। उन्होंने बताया कि पंवासा इंडब्ल्यूएस कॉलोनी में सड़क, पानी, प्रकाश और उद्यान जैसी मूलभूत सुविधाएं उपलब्ध हैं। लॉटरी प्रक्रिया के दौरान एमआईसी सदस्य मौजूद रहे।

फोटो से छेड़छाड़ कर एआई से ब्लैकमेलिंग का खतरा

उज्जैन/दैनिक मालवा हेराल्ड। आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस (एआई) एप का दुरुपयोग कर किसी भी व्यक्ति के फोटो से छेड़छाड़ कर उसे ब्लैकमेल करने का खतरा बढ़ रहा है। बदमाश किसी व्यक्ति के सामान्य फोटो का इस्तेमाल कर उसे आपत्तिजनक या भ्रामक रूप में तैयार कर सकते हैं और बाद में वायरल करने की धमकी देकर ब्लैकमेल कर सकते हैं। हालांकि उज्जैन में अभी तक इस तरह का कोई मामला पुलिस के पास नहीं पहुंचा है। एसपी प्रदीप शर्मा ने कहा कि एआई के दुरुपयोग से संबंधित कोई शिकायत सामने आती है, तो पुलिस उसकी जांच करेगी। यदि किसी व्यक्ति ने फोटो या अन्य सामग्री के साथ छेड़छाड़ कर ब्लैकमेलिंग की है तो उसके खिलाफ नियमानुसार कार्रवाई की जाएगी। पुलिस का कहना है कि सोशल मीडिया पर फोटो साझा करते समय भी सावधानी बरतना जरूरी है। किसी अनजान व्यक्ति को निजी फोटो या व्यक्तिगत जानकारी देने से बचना चाहिए। एआई के जरिए तैयार की गई फर्जी सामग्री को सच मानकर घबराते के बजाय तत्काल पुलिस से शिकायत करना चाहिए।

पत्नी से बात करने पर युवक को मारे चाकू

उज्जैन/दैनिक मालवा हेराल्ड। अलग रहने वाली पत्नी से बात करने वाले युवक पर पति ने अपने तीन साथियों के साथ मिलकर चाकू से हमला कर दिया। पति पत्नी के बीच तलाक का केस न्यायालय में चल रहा है। युवक गंभीर रूप से घायल हुआ है पुलिस चाकू मारने वालों की तलाश कर रही है। बाँचा भवन में रहने वाला तुषार पिता विनोद भंडारी कुछ महीना पहले तक घर के पास रहने वाली मंजू से परिचित था। मंजू का अपने पति मदन यादव से पारिवारिक विवाद चल रहा है, दोनों के बीच तलाक का मामला कोर्ट भी पहुंच चुका है। मंजू बाँचा से हमला कर दिया। मदन और उसके साथियों ने तांबातोड़ 7 से 8 चाकू मार और भाग निकले। तुषार गंभीर रूप से घायल हो गया था उससे मिलने अस्पताल में मंजू भी पहुंच गई थी। चिमनगंज थाना पुलिस ने बताया कि घायल तुषार के बयान दर्ज कर चाकू मारने वालों की तलाश की जा रही है। मामला महिला से बातचीत करने के विवाद का होना सामने आया है।

माकड़ोन सेवा सेतु अभियान- सरकार आपके द्वार, सेवा सेतु अभियान में 319 आवेदन प्राप्त, 278 को मिली स्वीकृति



उज्जैन/ दैनिक मालवा हेराल्ड। मध्य प्रदेश शासन के सेवा संकल्प अभियान के अंतर्गत सेवा सेतु अभियान-सरकार आपके द्वार के तहत माकड़ोन नगर परिषद परिसर में एक दिवसीय विशेष शिविर का

आयोजन किया गया। शिविर में तहसील अंतर्गत विभिन्न विभागों द्वारा जनहितकारी योजनाओं एवं सेवाओं की जानकारी देने के लिए प्रदर्शनी लगाई गई।

शिविर में सिंचाई विभाग द्वारा ड्रिप सिस्टम, स्वास्थ्य विभाग द्वारा निःशुल्क स्वास्थ्य शिविर, महिला एवं बाल विकास विभाग द्वारा लाड़ली लक्ष्मी योजना एवं

आंगनवाड़ी के पौष्टिक आहार, पशुपालन विभाग एवं पशु चिकित्सालय द्वारा पशुधन संरक्षण तथा राजस्व विभाग द्वारा किसान सम्मान निधि एवं अन्य कृषक कल्याणकारी योजनाओं की जानकारी दी गई।

नगर परिषद द्वारा नवीन लन कनेक्शन, अत्येष्टि एवं संबल सहायता, नामांतरण, पेंशन, पीएम आवास सहित विभिन्न

योजनाओं की जानकारी उपलब्ध कराई गई। इसके साथ ही विभिन्न स्वरोजगार योजनाओं से लाभान्वित हितग्राहियों ने अपने उत्पादों के स्टॉल ली जाए। शिविर में नागरिकों ने बड़-चड़कर सहभागिता की। इस दौरान कुल 319 आवेदन प्राप्त हुए, जिनमें से 278 आवेदनों को स्वीकृति प्रदान की गई।